खुलते पंख

हिंदी पाठमाला

भाग–1

लेखिका

कुसुमलता अग्रवाल

संपादक

सदन कुमार सिन्हा

पी.पी. पब्लिकेशंस

नई दिल्ली–110015

प्रकाशक :

प्रवेश गुप्ता

पी.पी. पब्लिकेशंस

(पी.पी. बुक्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई)
ए–18/2, प्लॉट नं० 70,
रामा रोड इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली–110015
दूरभाष : 011–42437204, 40452007/8, 09212723456
ई-मेल : pp_bookspublication@yahoo.co.in

© प्रकाशकाधीन

लेज़र टाइपसेटिंग :
राशि ग्राफ़िक्स

मुद्रक :
राजू प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली

प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिक, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी विधि से पुनः पद्धति द्वारा संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है इस शर्त के उल्लंघन पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है।

हर संभव प्रयास किया गया है कि इस प्रकाशन में त्रुटि या चूक न हो। यदि कोई भूल, त्रुटि या कमी आपकी नजर में आए तो कृप्या हमें बताएँ, पुस्तक के अगले संस्करण में आपके सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह सूचित किया जाता है कि न तो प्रकाशक न लेखक और न ही विक्रेता किसी भी प्रकार की क्षति हेतु जिम्मेदार होगा।

इस पुस्तक में संकलित अधिकांश रचनाओं की अनुमति प्रकाशक के पास है। कुछ रचनाओं के लेखकों/प्रकाशनाधिकार धारकों से पर्याप्त सूचनाओं के अभाव में संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है। उनसे अनुरोध है कि वे इस विषय में प्रकाशक से संपर्क करें।

प्रकाशक

आपसे

खुलते पंख हिंदी पाठमाला जीवन के निस्सीम आकाश में बच्चों की निर्बाध उड़ान की तैयारी की ओर एक छोटा-सा प्रयास है। बाल-केंद्रित तथा क्रियाकलाप आधारित इस पुस्तक माला को प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। **खुलते पंख हिंदी पाठमाला** का निर्माण 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा' के सिद्धांतों— **शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को आनंदमय बनाना, सीखने का बोझ कम करना** तथा **शिक्षण को बाहरी जीवन से जोड़ना**—के आधार पर किया गया है।

खुलते पंख हिंदी पाठमाला का विशिष्ट उद्देश्य सहज-सरल ढंग से हिंदी भाषा का ज्ञान कराना, हिंदी पठन गतिविधियों को रोचक और उपयोगी बनाना तथा विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन की रुचि विकसित करना है। इस पाठमाला की प्रस्तुत पुस्तक हिंदी पढ़ने वाले **कक्षा—एक** के विद्यार्थियों के लिए है।

पठन-सामग्री : पुस्तक की पठन-सामग्री का निर्माण बच्चों में भाषा के विविध कौशलों—सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना और सोचना की योग्यताएँ विकसित करने तथा उनकी कल्पनाशक्ति का विकास करने के लिए उनकी रुचि और परिवेश के अनुकूल किया गया है। पुस्तक में ऐसे पाठों का चयन किया गया है जो हमें हमारी परंपरा और अतीत के साथ जोड़ने के साथ-साथ वर्तमान के प्रति सजग और जागरूक बनाते हैं। इस दृष्टि से साहित्य, समाज, संस्कृति, इतिहास, पर्यटन, कला, धर्म, विज्ञान, स्वास्थ्य, खेल, मनोरंजन, फ़िल्म, प्रकृति, प्राणी-जगत, पर्यावरण आदि विषयों से संबंधित रचनाओं का समावेश किया गया है।

विधाएँ : कक्षा के स्तर के अनुकूल गद्य व पद्य की विभिन्न विधाओं — कहानी, कविता, गीत, प्रसंग, संवाद, एकांकी, चित्रकथा, चुटकुले, पहेली तथा क्रियाकलाप और खेल आदि को पुस्तक में सम्मिलित किया गया है।

जीवन मूल्य : पठन-सामग्री का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि बच्चों में सौंदर्यप्रियता, देशप्रेम, बंधुत्व, परिश्रम, दृढ़निश्चयता, सच्चाई, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, आदर, सूझ-बूझ, साहस, निडरता, मिल-जुलकर काम करना, खुशियाँ बाँटना, खेल भावना, आत्मविश्वास, सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक व सामाजिक मूल्यों और चारित्रिक गुणों का विकास हो सके।

भाषा : इस पुस्तक में भाषा के व्यावहारिक प्रयोग पर बल दिया गया है। विद्यार्थी स्वरों, मात्राओं, संयुक्त व्यंजनों और संयुक्त अक्षरों का शुद्ध उच्चारण करते हुए पढ़ना और लिखना सीख सकें तथा जीवन के विविध संदर्भों में भाषा का प्रयोग कर सकें, इसी उद्देश्य से पाठों की संरचना तथा शब्दों का चयन किया गया है जो उनके आयु-वर्ग और मानसिक स्तर के अनुकूल हैं।

व्याकरण : सरल रूप में व्यावहारिक व्याकरण का प्रारंभ किया गया है। व्याकरण के नियमों व परिभाषाओं को रटने के स्थान पर उदाहरणों द्वारा उन्हें समझने और भाषा में प्रयुक्त करने पर बल दिया गया है।

अभ्यास : पठन-कुशलताओं के विकास और सुदृढ़ीकरण के लिए सुनियोजित, उद्देश्यपरक **मौखिक** और **लिखित** अभ्यास दिए गए हैं। इसी दृष्टि से **बहुविकल्पी प्रश्न** व **मूल्य आधारित प्रश्न** का निर्माण किया गया है।

गतिविधियाँ : पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति, कल्पनाशक्ति, अवलोकन क्षमता, मौलिकता व रचनात्मकता विकसित करने में सहायक होंगे। कविता गाना, सुनाना, चित्र बनाना, रंग भरना, कहानी कहना आदि गतिविधियाँ सामान्य ज्ञान में वृद्धि करने, करके सीखने की योग्यता विकसित करने तथा अतिरिक्त पठन के लिए प्रेरित करने के लिए रखी गई हैं। सीखने की प्रक्रिया आनंदमय हो, बच्चे खुशी-खुशी कुछ करते हुए सीखें — इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है।

सुंदर और आकर्षक चित्र : पठन-सामग्री से संबंधित सुंदर और आकर्षक चित्र पाठ की समझ में विस्तार और गहराई लाने में सहायक होंगे। चित्रों को ध्यान से देखना और उनपर बातचीत करना बच्चों की विश्लेषण क्षमता और तार्किक क्षमता जैसे कौशलों को विकसित करता है।

पाठ मूल्यांकन : भाषिक योग्यताओं, व्याकरण बिंदुओं, गतिविधियों, विधाओं, जीवन मूल्यों के आधार पर पाठों का मूल्यांकन दिया गया है।

सी.डी. + ई-बुक : पुस्तक के साथ पाठों के एनीमेशन, वाचन, अभ्यास और गतिविधियों की निःशुल्क सी.डी. व ई-बुक केवल शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए उपलब्ध है।

निःशुल्क कार्यपत्रिकाएँ : शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए पुस्तक के पाठों पर आधारित कार्यपत्रिकाओं का निर्माण किया गया है। ये कार्यपत्रिकाएँ विद्यार्थियों के मूल्यांकन करने तथा अभ्यास करने में सहायक होंगी। ये कार्यपुस्तिकाएँ भी केवल शिक्षिक/शिक्षिकाओं के लिए उपलब्ध है।

हमें विश्वास है कि बच्चों के परिवेश से जुड़ी तथा बाल मनोविज्ञान पर आधारित यह पाठमाला विद्यार्थियों के हिंदी सीखने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। मार्गदर्शन हेतु आपकी प्रतिक्रियाओं तथा सुझावों का सदैव स्वागत है।

—कुसुमलता अग्रवाल

पाठ-सूची

1.		नन्हे खरगोश (चित्रकथा)	1
2.		चूहा और कौआ (चित्रकथा)	2
3.		आओ दोहराएँ	3
4.	अ	सरकस चल	8
5.	आ ा	बादल आ गया	12
6.	इ ि	इनाम आया	16
7.	ई ी	मीरा और दीपा	21
8.	उ ु	चुलबुली झुमरी	27
9.		चली बारात (कविता)	31
10.	ऊ ू	कालू चाटवाला	33
11.	ऋ ृ	नृप का महल	38
12.	ए े	खेत ही खेत	41
	*	छुक-छुक रेल (कविता)	46
13.	ऐ ै	बैलगाड़ी की सैर	47
14.	ओ ो	होली	54

15.	औ ौ	मौसा-मौसी आए	60
	*	दसखड़ी	66
16.	अं ं	जाखू मंदिर	68
	*	चंगी नहीं लड़ाई (कविता)	73
17.	अँ ँ	मँगरू	74
18.	अः ः	नमः	79
19.	क्ष त्र ज्ञ श्र	ऋषि का आश्रम	80
	*	तारे (कविता)	84
20.		संयुक्त अक्षर	85
21.	ल्ल, स्त	अच्छा दोस्त	87
	*	इसकी बोली, उसकी बोली	92
	*	गिनती	93
	*	मूर्ख बिल्लियाँ (चित्रकथा)	94
	*	मछुआरा (कविता)	95
	*	बूझो तो जानें (पहेलियाँ)	96

पाठ मूल्यांकन

पाठ	पाठ का नाम	विधा	भाषा की योग्यताएँ/गतिविधियाँ	जीवन मूल्य
1–2.	नन्हे खरगोश, चूहा और कौआ	चित्रकथा	अवलोकन, सुनकर समझना, कहानी सुनाना, प्रश्नों के उत्तर देना	मिलकर काम करना, एक-दूसरे की मदद करना, सूझ-बूझ से काम लेना
3.	आओ दोहराएँ	—	पहचानना, प्रत्यास्मरण, उच्चारण, वर्ण लिखना	—
4.	अ– सरकस चल	शब्द और वाक्य	शब्द और वाक्य शुद्ध उच्चारण से पढ़ना, पहचानना, शब्द-भंडार में वृद्धि, चित्र देखकर शब्द लिखना	सड़क पर न खेलना, एक तरफ़ चलना
5.	आ– बादल आ गया	शब्द और वाक्य	शुद्ध उच्चारण करना, पहचानना, कविता गाना, चित्र पूरा करना, रंग भरना, प्रत्यास्मरण, शब्द भंडार में वृद्धि	खुशियाँ मनाना, खेल, गाना
6.	इ– इनाम आया	प्रसंग	शब्द व वाक्य पढ़ना, आ व इ की मात्रा की पहचान, उच्चारण तथा लेखन, कविता गाना, प्रत्यास्मरण, फ-फ़ का उच्चारण, चित्र देखकर शब्द बनाना	पशु-पक्षी प्रेम, प्रकृति प्रेम
7.	ई– मीरा और दीपा	कहानी	इ-ई ध्वनि में अंतर करना, पहचानना, पढ़ना, चित्र देख कर नाम लिखना, कविता गाना, सोचना-समझना, शब्द भंडार में वृद्धि, ज-ज़ का उच्चारण, प्रत्यास्मरण, प्रश्नों के उत्तर लिखना, वाक्य पूरे करना	शरारत न करना कहना मानना
8.	उ– चुलबुली झुमरी	प्रसंग	उ की मात्रा की पहचान, शब्द-वाक्य पढ़ना, प्रत्यास्मरण, चित्र का नाम लिखना, सही या गलत पहचानना	खेल, उत्सव
9.	चली बारात	कविता	लय-तान से कविता पढ़ना, अक्षर जाल में से शब्द ढूँढ़ना, चित्र में रंग भरना, नाम लिखना	पशु-पक्षी, मनोरंजन
10.	ऊ– कालू चाटवाला	प्रसंग	उ-ऊ की पहचान, अंतर करना, शब्द-वाक्य का शुद्ध उच्चारण से पठन, सामान्य ज्ञान में वृद्धि, र् में उ-ऊ की मात्रा का लेखन, चित्र देखकर नाम लिखना, रंग भरना, शब्द भंडार में वृद्धि	मेल-जोल, खेल, मनोरंजन
11.	ऋ– नृप का महल	प्रसंग	ऋ की मात्रा की पहचान, ऋ की मात्रा वाले शब्द लिखना, शब्द-वाक्य को शुद्ध उच्चारण से पढ़ना, प्रश्नों के उत्तर बताना।	शब्द-निर्माण का खेल
12.	ए– खेत ही खेत	प्रसंग	ए की मात्रा की पहचान, शुद्ध उच्चारण से पढ़ना, कहानी का प्रत्यास्मरण, बहुवचन, सुनकर लिखना, चित्र पूरा करना, रंग भरना, प्रश्नों के उत्तर लिखना	प्रकृति प्रेम, प्रेम-वात्सल्य
	छुक-छुक रेल	कविता	लय-तान से कविता गाना, पढ़ना, कविता सुनाना	खेल, आनंदानुभूति
13.	ऐ– बैलगाड़ी की सैर	कहानी	ऐ की मात्रा का उच्चारण, पहचानना, लिखना, ए-ऐ में अंतर करना, शब्द-वाक्य पढ़ना, ड-ड़ तथा ढ-ढ़ में अंतर करना, शब्द बनाना, शब्द लिखना, प्रत्यास्मरण, प्रसंग संकेत से शब्द लिखना, कविता याद करना-गाना	मनोरंजन, खेल, पशु-पक्षी

पाठ	पाठ का नाम	विधा	भाषा की योग्यताएँ/गतिविधियाँ	जीवन मूल्य
14.	ओ– होली	प्रसंग	ओ की मात्रा की पहचान, पढ़ना, लिखना, शब्द और वाक्य शुद्ध उच्चारण से पढ़ना, कहानी का प्रत्यास्मरण, नए शब्द बनाना, शब्द–सीढ़ी द्वारा शब्द–भंडार में वृद्धि, सोचना–समझना, ध्यान से देखकर वर्ग पहेली में से शब्द बनाना, कविता पढ़ना व गाना	त्योहार मिलकर मनाना, मिल–जुलकर काम करना, खुशियाँ मनाना, मिल–बाँट कर खाना
15.	औ– मौसा–मौसी आए	कहानी	औ की मात्रा पहचानना, ओ–औ में अंतर, पढ़ना, सुनना, शब्द–वाक्य लिखना, कहानी का प्रत्यास्मरण, प्रश्नों के उत्तर देना, चित्र देखकर नाम लिखना, सुनकर लिखना, स–श ध्वनि का उच्चारण, कविता पढ़ना–गाना	बड़ों का आदर, पेड़–पौधों की उपयोगिता, मेहमानों का स्वागत–सत्कार, व्यवसाय जानना
	दसखड़ी		सारे वर्णों में लगी मात्राओं का ज्ञान व उन्हें दुहराना	मनोरंजन
16.	अं– जाखू मंदिर	कहानी	शुद्ध उच्चारण से पढ़ना, अुस्वार का उच्चारण, लेखन, त–थ ध्वनि में अंतर करना, शब्द लिखना, प्रत्यास्मरण, चित्रों के नाम लिखना, तुक पहचानना व शब्द लिखना	स्थान परिचय, संस्कृति
	हमारे बाजे चंगी नहीं लड़ाई	क्रियाकलाप कविता	पहचानना, नाम जानना, रेखा खींचकर मिलाना लय–तान से कविता पढ़ना, आनंद उठाना	मनोरंजन लड़ाई न करना
17.	अँ– मँगरू	कहानी	अनुनासिक का उच्चारण–लेखन, शब्द पढ़ना–लिखना, कहानी पढ़ना–समझना, प्रत्यास्मरण–प्रश्नों के उत्तर देना, चित्र देखकर नाम लिखना, बहुवचन शब्द, चित्र पूरा करना, रंग भरना	घर के काम में मदद करना, ज़रूरतमंद की सहायता करना
18.	अः– नमः		शुद्ध उच्चारण पढ़ना, लिखना	शब्द–निर्माण का खेल
19.	त्र ज्ञ श्र ऋषि का आश्रम	कहानी	संयुक्ताक्षरों की पहचान, शुद्ध उच्चारण, लेखन, शब्द व कहानी पढ़ना, प्रत्यास्मरण, सुलेख, शब्द बनाना	प्राचीन संस्कृति, गुरु की आज्ञा का पालन करना, गुरु–शिष्य संबंध
	तारे	कविता	लय–तान से कविता पढ़ना, समझना, आनंद लेना, अवलोकन	खेल, मनोरंजन, प्रकृति–सौंदर्य
20.	संयुक्त अक्षर		असमान वर्णों व समान वर्णों का मेल समझना, र–रेफ व र–पदेन समझना, शब्द पढ़ना, लिखना	मनोरंजन
21.	अच्छा दोस्त (ल्ल, स्त) इसकी बोली, उसकी बोली	कहानी कविताएँ	कहानी पढ़ना–सुनना–समझना, प्रश्नों के उत्तर लिखना, प्रत्यास्मरण, लिंग बदलना, संयुक्त व्यंजनों का उच्चारण–लेखन, लय–तुक का ज्ञान, कविता पढ़ना–गाना–याद करना, आनंद लेना, चित्र अवलोकन	पशु प्रेम, मदद करना, खेल, माँ–पिताजी की परवाह पेड़–पौधे लगाना, सफ़ाई, खेलना, पढ़ना, मदद करना
	मूर्ख बिल्लियाँ	क्रियाकलाप	अवलोकन, कहानी सुनाना	लालच न करना, झगड़ा न करना
	मछुआरा	कविता	लय–तान से कविता पढ़ना, आनंद लेना, याद करना, सुनाना	जीवन–संस्कृति
	बूझो तो जानें	पहेलियाँ क्रियाकलाप	पहेलियाँ बूझना	समझदारी

नन्हे खरगोश

1

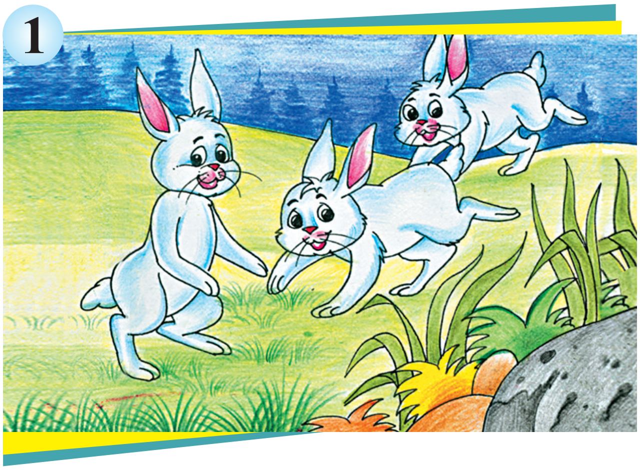

2

3

4

5

6

चित्रों के बारे में प्रश्न पूछिए— खरगोश क्या कर रहे हैं? पीछे से कौन आ रहा है? खरगोश किसके पास गए? खरगोशों ने हाथी से क्या कहा? हाथी ने उनकी मदद कैसे की? पूरी कहानी सुनाइए। एक-दूसरे की सहायता से मुसीबतों का सामना किया जा सकता है— इस बात पर बल दीजिए।

चूहा और कौआ

1

2

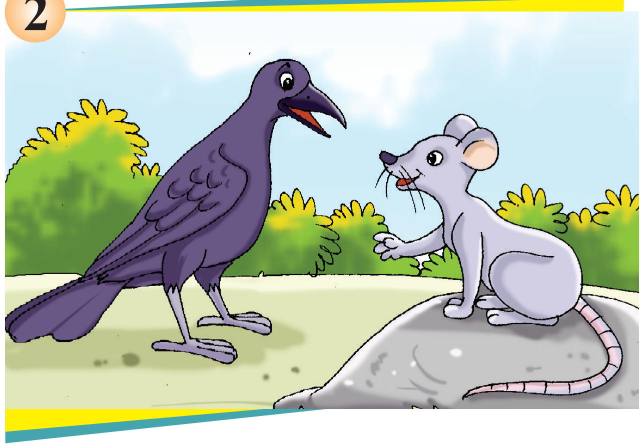

3

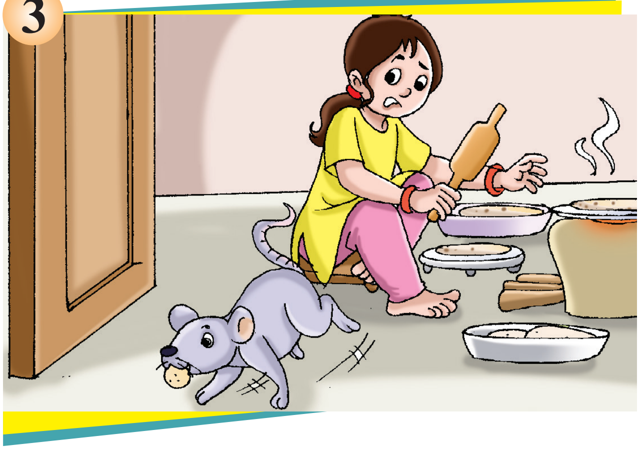

4

5

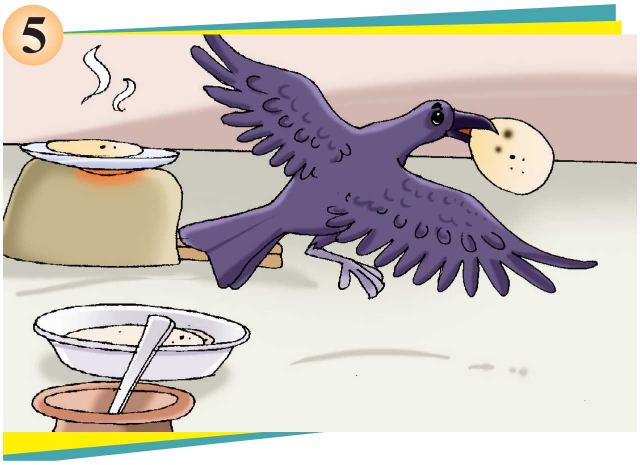

6

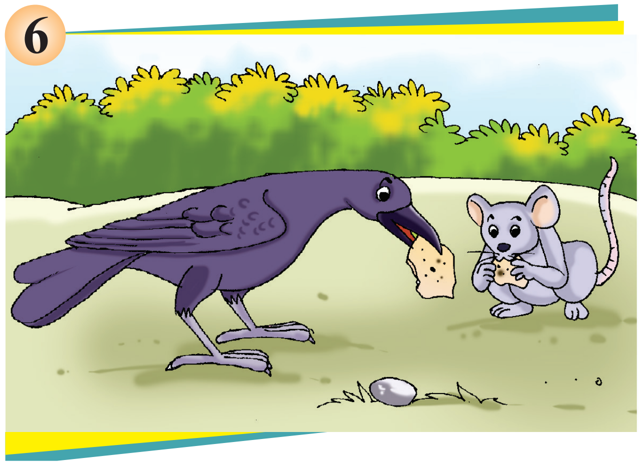

चित्रों के बारे में प्रश्न पूछिए। उचित हाव-भाव से कहानी सुनाइए। प्रश्न पूछिए। कौए के रंग-रूप, स्वभाव के बारे में पूछिए और बताइए। बच्चों से कहानी सुनाने को कहिए।

आओ दोहराएँ

(स्वर वर्ण)

अ 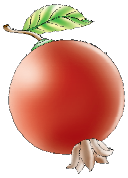

आ 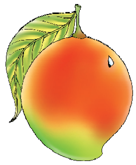

इ 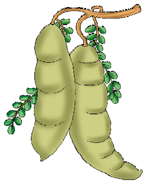

ई

उ

ऊ 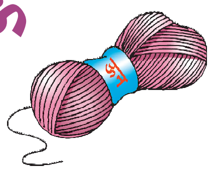

ऋ

ए

ऐ 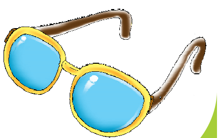

ओ

औ

इन्हें भी पढ़ो—

अं 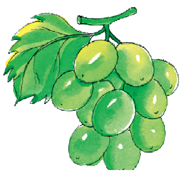

अः

चित्रों के नाम का पहला वर्ण लिखो।

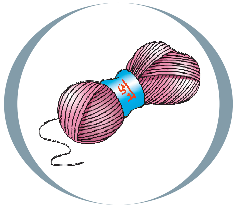

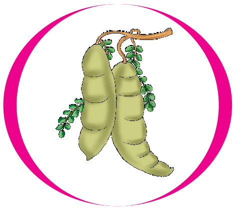

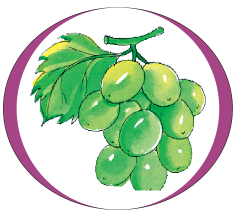

वर्णों को क्रम से मिलाते हुए लाइन खींचकर चित्र बनाओ और रंग भरो।

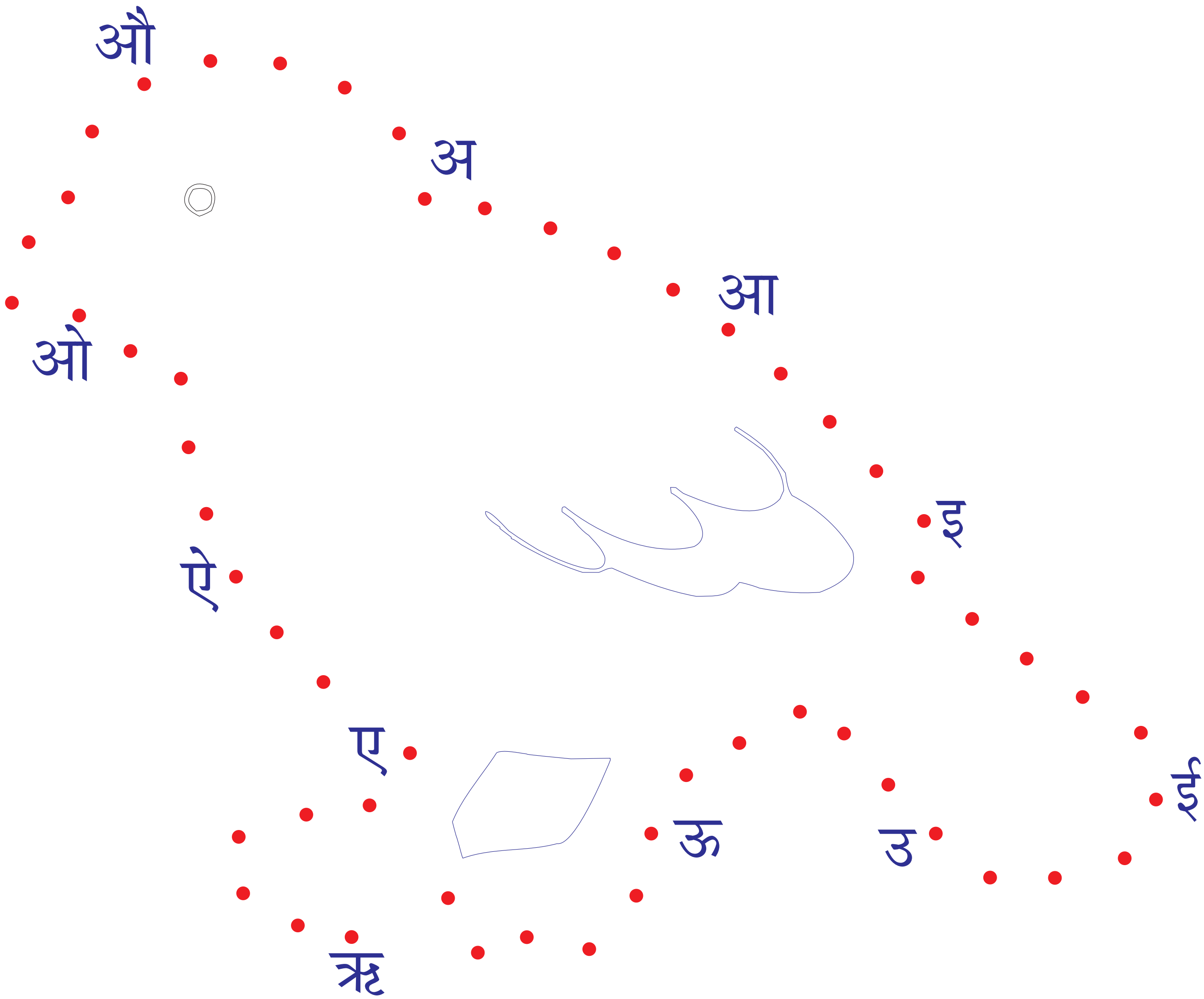

आओ दोहराएँ

(व्यंजन वर्ण)

क 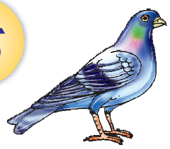 ख ग घ 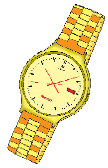 ङ

च छ 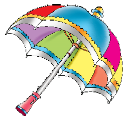 ज 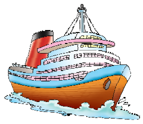 झ 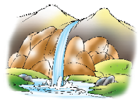 ञ

ट 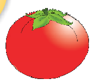 ठ ड 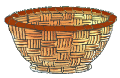 ढ 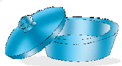 ण ड़ ढ़

त 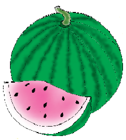 थ द

ध 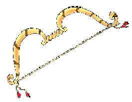 न 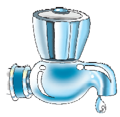

प 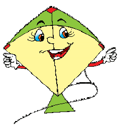 फ 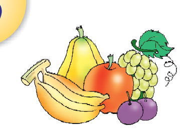 ब 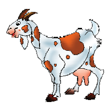 भ 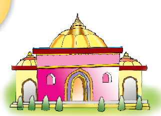 म 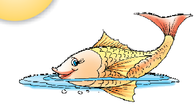

य र 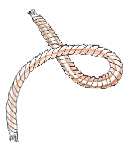 ल व 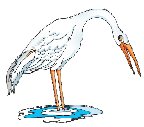

श 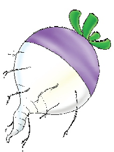 ष 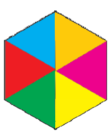 स 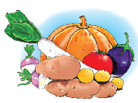 ह 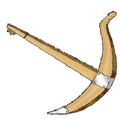

व्यंजन वर्णों की लड़ियाँ पूरी करो।

क – ◯ – ◯ – ◯ – ◯

च – ◯ – ◯ – ◯ – ◯

ट – ◯ – ◯ – ◯ – ◯ – ◯ – ◯

त – ◯ – ◯ – ◯ – ◯

प – ◯ – ◯ – ◯ – ◯

य – ◯ – ◯ – ◯

श – ◯ – ◯ – ◯

अ

अ की कोई मात्रा नहीं होती।

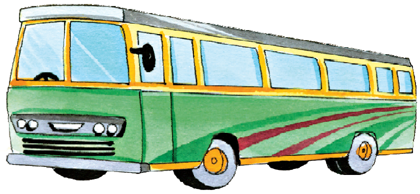

बस

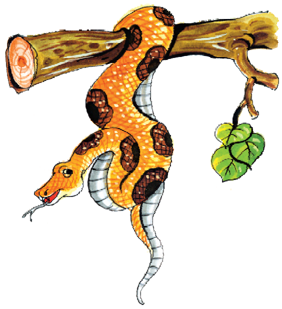

अजगर

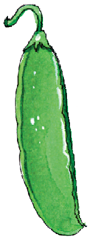

मटर

अचकन

शरबत

बोलकर पढ़ो

नल	घर	बस	हल	चल	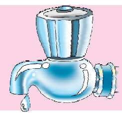
टब	जग	कर	रख	कह	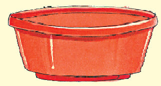
मगर	नरम	सड़क	रबड़	नगर	
कसरत	अदरक	बचपन	बरतन		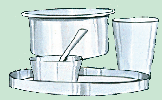

लिखो

कल अब रस लहर शहद

सरकस चल

यश, इधर आ।
इधर-उधर मत टहल।
चल सरकस चल।

अचकन पहन।
अचकन पहनकर सरकस चल।

बस आ गई।
बस पर चढ़।
बस पर चढ़कर
सरकस चल।

अभ्यास

चित्र को उसके नाम से मिलाओ।

थरमस

मगर

बतख

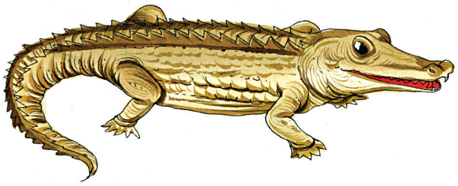

कमल

सड़क

बस

अचकन

भवन

चित्र का नाम लिखो।

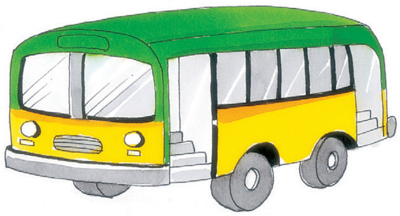

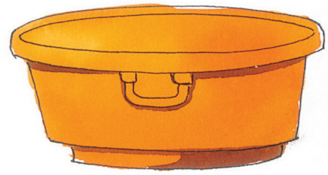

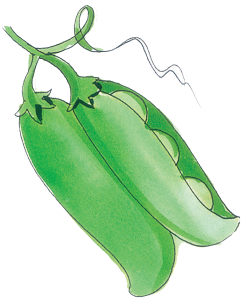
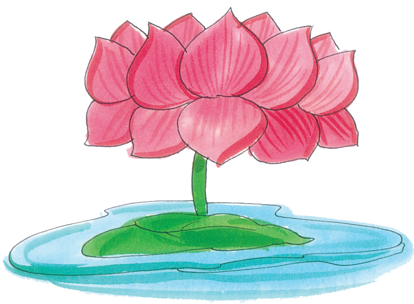

चित्र देखकर शब्द बनाओ।

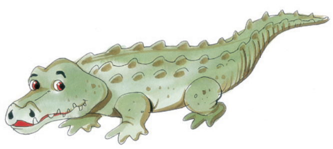

न ग र

ह ल

म ग

श ह र

अ ा

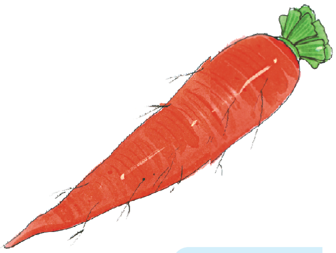

गाजर

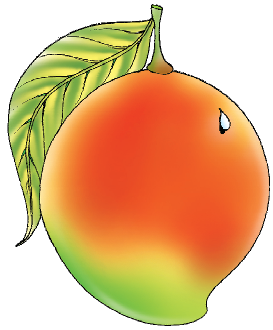

आम

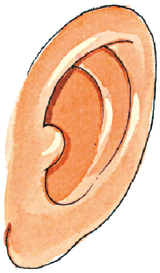

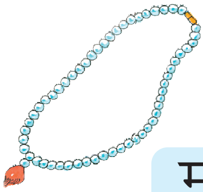

माला

कान

तारा

बोलकर पढ़ो

नाक	हाथ	घास	बाल	हवा	
राजा	काला	ताला	छाता	माला	
अनार	माथा	दाल	पालक	कागज़	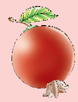
टमाटर	बाज़ार	चावल	बरसात	भगवान	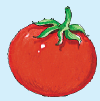

लिखो

आ ना बा का चा

नाम तारा बाग आम चावल

बादल आ गया

आ गया।

बादल आ गया।

काला बादल आ गया।

बादल आसमान पर छा गया।

बादल, बादल जल बरसाओ।

झमझम जल बरसाओ।

वाह, बरसात आ गई।

उमा, रमा बाहर आओ।

बाजा लाओ, तबला लाओ।

अब सब गाना गाओ।

अभ्यास

समझो और बोलो।

अ		आ ा	अ		आ ा
क	—	का	ब	—	बा
म	—	मा	त	—	ता
ज	—	जा	भ	—	भा
ल	—	ला	च	—	चा

बोल–बोलकर पढ़ो।

तल	ताल	ताला	मल	माल	माला
जल	जाल	जाला	बल	बाल	बाला
चर	चार	चारा	जग	जाग	जागा

चित्रों को नाम से मिलाओ।

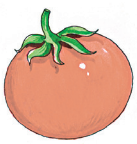

हाथ
कार
टमाटर
माला
नाव
छाता
जाल
लड़का

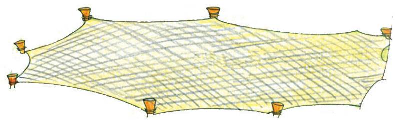

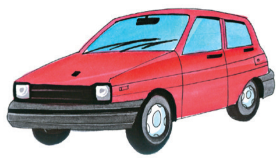

चित्रों के नाम लिखो।

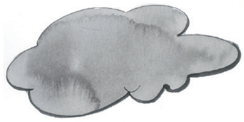
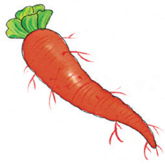

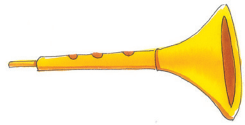

---------- ---------- ---------- ----------

कविता पढ़ो, याद करो और गाओ।

मामा आया

मामा आया, मामा आया,
आम और अनार लाया।
गाजर, मटर, टमाटर लाया,
बाजा, माला, कार लाया।
आटा, चावल, दाल लाया,
मामा आया, मामा आया।

बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

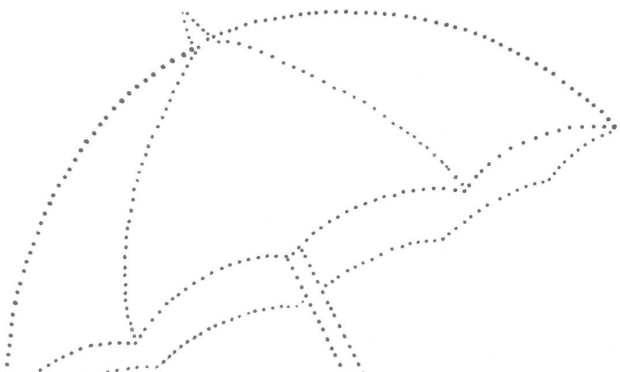

इ ि

किताब

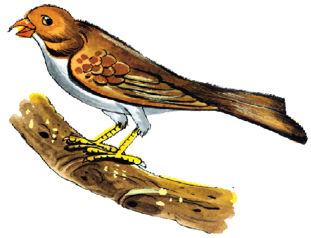

चिड़िया

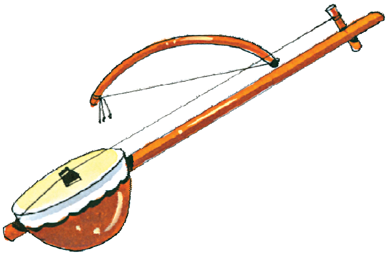

इकतारा

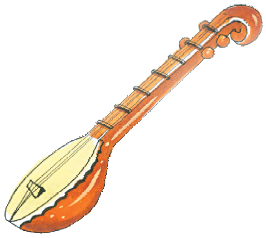

सितार

हिरन

बोलकर पढ़ो

दिन	पिन	गिन	सिर	फिर	पिता
किसान	गिलास	चिमटा	गिटार	डिबिया	
टिकट	बारिश	तकिया	डाकिया	किरण	
किशमिश	नारियल	गिरगिट	शनिवार	रविवार	

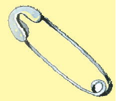
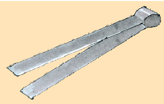
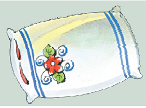

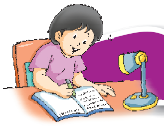

लिखो

ति कि चि गि लि

तिनका किला चिड़िया गिलास लिफ़ाफ़ा

इनाम आया

"अमिता, दिन निकल आया। अब उठ जा। चल झटपट उठकर नहा।"

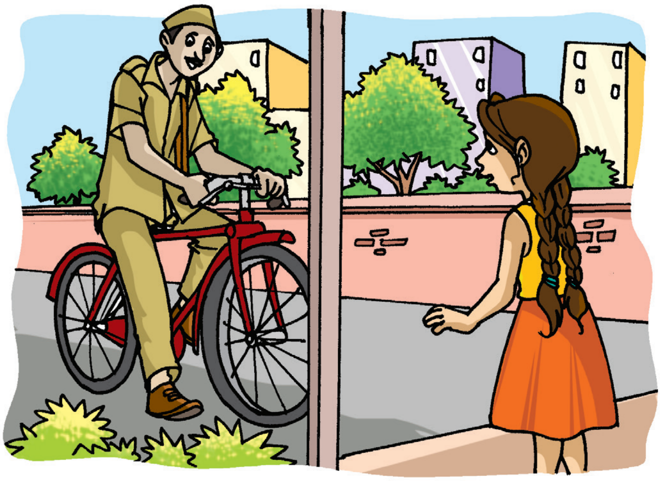

अमिता उठ गई। बाहर एक डाकिया आया। डाकिया साइकिल पर आया था। वह एक लिफ़ाफ़ा लाया था। उस पर टिकट लगा था। अमिता बाहर जाकर लिफ़ाफ़ा लाई।

निखिल भागा आया। बढ़िया समाचार आया था। अमिता का इनाम निकला था। निखिल उछल पड़ा।

निखिल झटपट मिठाई लाया। मिठाई खाकर डाकिया चला गया। अमित और निकिता आ गए।

"आओ, आओ। सब मिलकर मिठाई खाओ।"

"निखिल जाओ। गिटार उठा लाओ। अब गिटार बजाओ। अब सब मिलकर गाओ।"

संकेत : फ और फ़ के उच्चारण के अंतर को बताइए। फल, फली, फाटक, फिर, फूल तथा फ़ैसला, लिफ़ाफ़ा, साफ़, सफ़ेद, तरफ़ आदि शब्द बुलवाइए और नुक्ते की तरफ़ ध्यान दिलाइए।

अभ्यास

पढ़ो और समझो।

क	कि	किसान	डाकिया	साइकिल
ल	लि	लिफ़ाफ़ा	डलिया	लिखना
ग	गि	गिटार	गिलास	गिरगिट
म	मि	मिल	मिठाई	अमित

बताओ और लिखो।

बाहर कौन आया था? डाकिया

डाकिया क्या लाया था? लिफ़ाफ़ा

समाचार कैसा था? बढ़िया

किसका इनाम निकला था? अमिता

निखिल क्या लाया? मिठाई

एक वर्ण लिखकर नया शब्द बनाओ। चित्र देखो।

		त
डा	कि	या

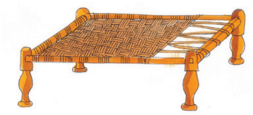

		बि
		टि
ख		या

		ता
गि	टा	र

ति	ल

		कि
		र
	र	न

'इ' की मात्रा लगाकर चित्रों के नाम पूरे करो।

त ___ कया

ना ___ रयल

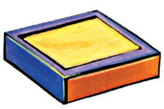

___ ड ___ बया

___ सतार

___ च ___ ड़या

___ टकट

कविता गाओ।

बरखा आई, बरखा आई,
रिमझिम-रिमझिम बरखा आई।
शशि, शिशिर सब बाहर आओ,
हिल-मिलकर अब गाना गाओ।
बरखा आई, बरखा आई,
रिमझिम रिमझिम बरखा आई।

ई

जीभ

ईख

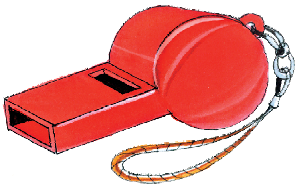

सीटी

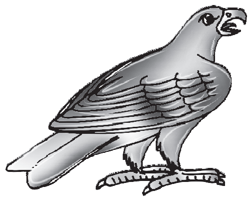

चील

दीपक

बोलकर पढ़ो

कील	जीभ	खीरा	हीरा	रानी	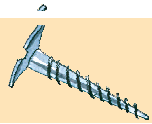
पानी	चीनी	हाथी	लीची	झील	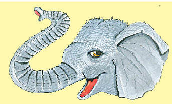
मछली	तितली	बकरी	गीदड़	पपीता	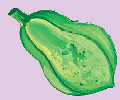
खिड़की	लड़की	बिजली	दीवार	दीपावली	

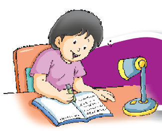

लिखो

की खी पी ची ली

कीड़ा खीर पीला चीनी कली

मीरा और दीपा

एक लड़की थी—मीरा। मीरा बड़ी शरारती थी। हरदम चहकती फिरती थी। मामा जी की भी एक बिटिया थी। नाम था दीपा। दीपा सीधी-सादी थी।

एक दिन मीरा और दीपा बाज़ार गईं। दीपा ककड़ी, खीरा, पपीता और लीची खरीदकर लाई। मीरा इमली खरीदकर लाई।

तभी हवा चल पड़ी। बारिश आ गई। उनकी छतरी उड़ गई। दीपा भागकर घर आ गई। मीरा "छतरी-छतरी" कहती भागी और फिसल गई। सड़क पर कीचड़ थी।

किसी तरह उठकर मीरा घर आई। आकर चारपाई पर पड़ गई।

दीपा ककड़ी, खीरा और पपीता का सलाद बनाकर लाई। इमली की चटपटी चटनी भी बना लाई। मीरा झट उठ गई। मिलकर सलाद खाया। चटनी चाटी।

मीरा फिर चल दी चहकती-मटकती।

अभ्यास

बताओ और लिखो।

क. मामा जी की बिटिया का क्या नाम था?

उसका नाम -- था।

ख. मीरा कैसी लड़की थी?

मीरा बड़ी -- लड़की थी।

ग. मीरा क्या खरीदकर लाई?

मीरा -- खरीदकर लाई।

घ. मीरा क्या कहकर भागी?

मीरा -- कहकर भागी।

पढ़ो और समझो।

इ ि	मिल	खिल	किला	दिया	पिला
ई ी	मील	खील	कील	दीया	पीला

लिखो।

मछली तितली बकरी

पनीर छतरी दवाई

चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरे करो।

1. ------------------------ उड़ गई।
2. बकरी ------------------------ खा गई।
3. मीना अपनी ------------------------ दिखाओ।
4. एक ------------------------ पानी ला।
5. दीवार पर ------------------------ जलाकर रख।

शब्द बनाओ।

मा	ली	----------------------
ता		----------------------
जा		----------------------
का		----------------------
मक	ड़ी	----------------------
लक		----------------------
पक		----------------------
कक		----------------------

चित्रों से उसके नाम को मिलाओ।

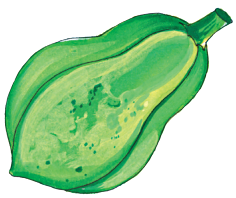

बकरी

पपीता

खिड़की

गीदड़

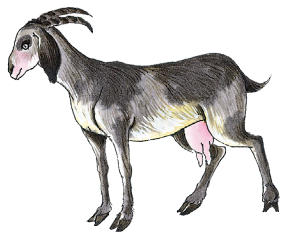

कविता पढ़ो और गाओ।

तितली आई, तितली आई,
नाच दिखाती तितली आई।
इतराती, इठलाती आई,
मीठा-मीठा रस पी आई।

बकरी को घास तक पहुँचाओ।

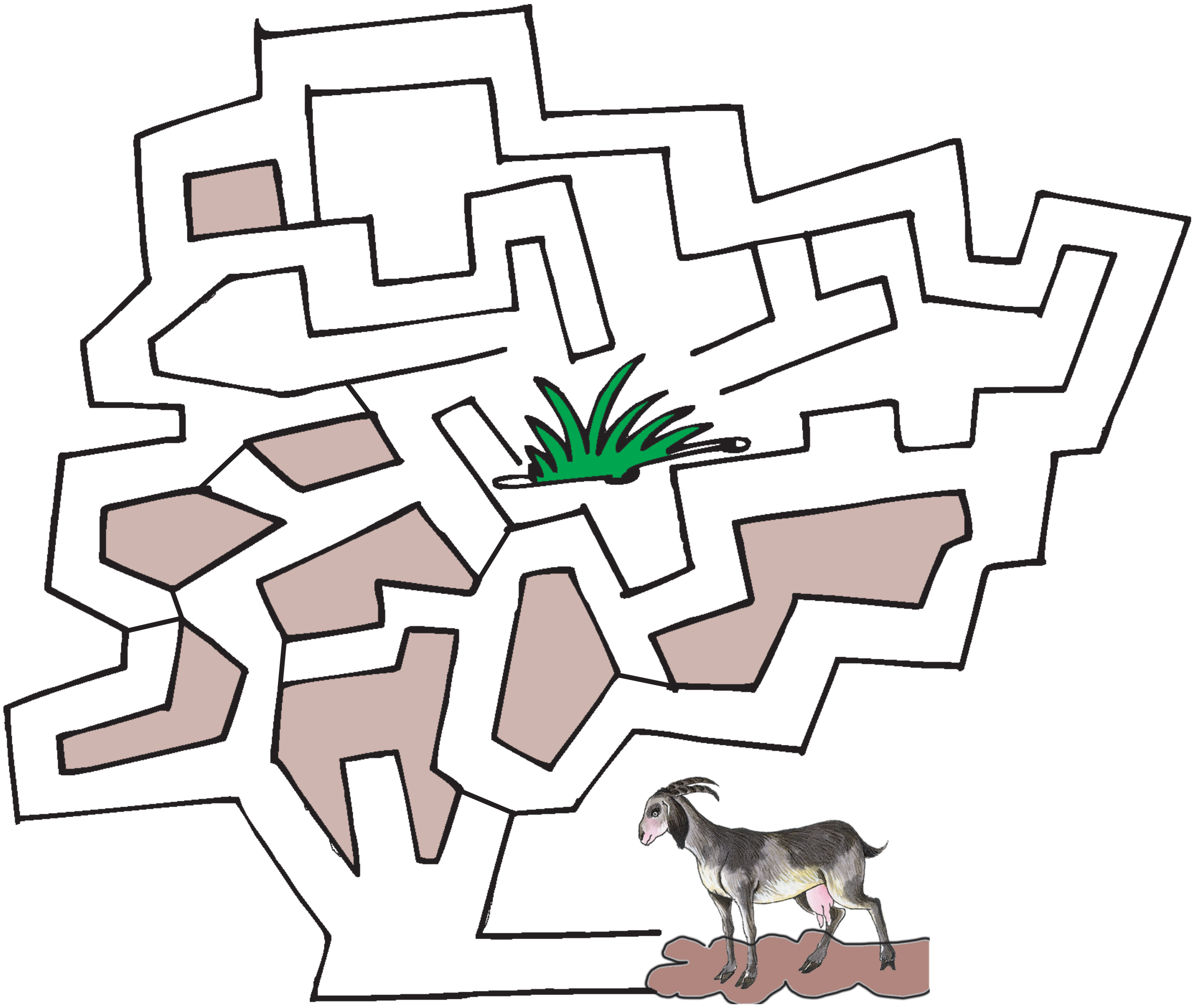

उ ु

गुड़िया

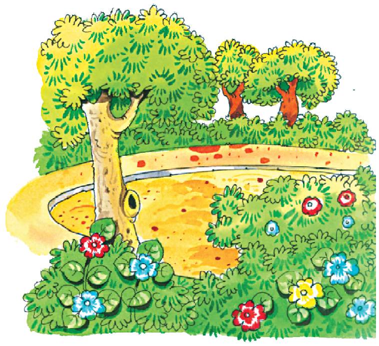

उपवन

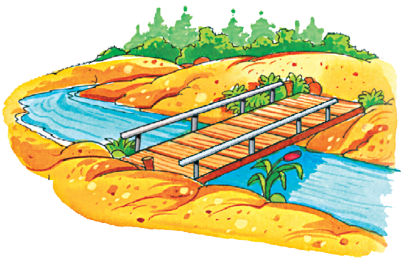

पुल

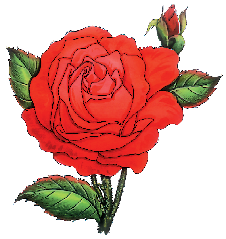

गुलाब

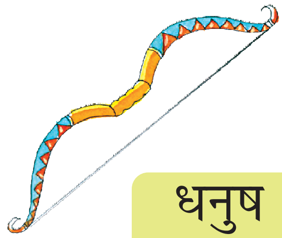

धनुष

बोलकर पढ़ो

सुन	सुख	दुम	खुश	चुप	रुक	
साबुन	चुहिया	सुबह	जामुन	गुड़िया		
कछुआ	सुपारी	बुढ़िया	पुड़िया	सुराही		
बुलबुल	बगुला	कुरता	दातुन	सुनहरा		

लिखो

गु बु कु पु खु

गुलाब बुलबुल कुरता पुजारी खुश

चुलबुली झुमरी

झुमरी की नई-नई शादी हुई थी। झुमरी दुलहन बड़ी चुलबुली थी।

वह बहुत साफ़-सुथरी रहती थी। सुबह उठकर दातुन करती थी। साबुन मल-मलकर नहाती थी। फिर साफ़ कुरता-सलवार पहनती और गुलाबी चुनरी भी। फिर टीका लगाती और झुमका पहनती। पायल पहनकर इधर-उधर इतराती चलती थी।

बुधवार का दिन था। मुनिया की शादी थी। झुमरी बन-ठनकर शादी पर आई। वह उपहार भी लाई थी— एक गुड़िया और कढ़ाई वाला कुरता। उपहार पाकर मुनिया बड़ी खुश हुई।

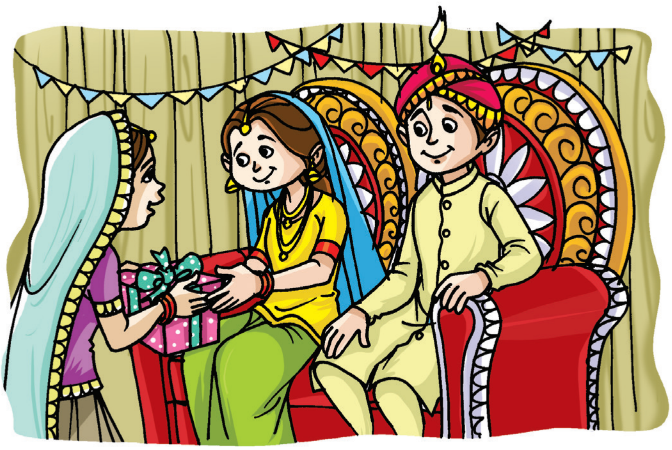

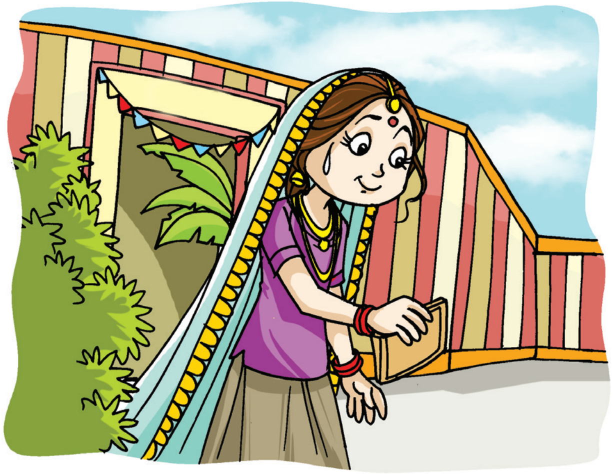

गरमी बहुत थी। झुमरी सुराही का सारा पानी पी गई। वह तीन गिलास गुलाब का शरबत भी पी गई। फिर भी गरमी लग रही थी। झुमरी और न रुक सकी। अपना सुनहरा बटुआ उठाकर घर आ गई।

अभ्यास

पढ़ो और समझो।

ग	—	गु	—	गुड़	गुड़िया	फागुन
ब	—	बु	—	बुढ़िया	साबुन	बुलबुल
च	—	चु	—	चुहिया	चुनरी	चुपचाप
स	—	सु	—	सुबह	सुपारी	सुनहरा
र	—	रु	—	रुपया	रुक	रुई

पढ़ो और लिखो।

छ ------------ छा ------------ छि ------------ छी ------------ छु ------------

म ------------ मा ------------ मि ------------ मी ------------ मु ------------

मल   माला   मिला   मील   मुरगा

सही वाक्य के सामने (✓) का निशान लगाओ।

क. झुमरी बड़ी चुलबुली थी।

ख. झुमरी शादी पर उपहार लेकर न आई।

ग. मुनिया बड़ी उदास हुई।

घ. झुमरी तीन गिलास शरबत पी गई।

ङ. झुमरी का बटुआ सुनहरा था।

चित्र का नाम बोलो। जिस नाम में 'उ' की आवाज़ हो, उसके सामने वाले गोले में रंग भरो।

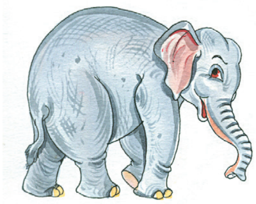

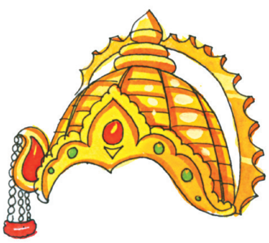

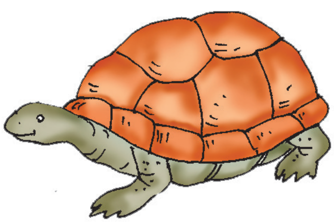

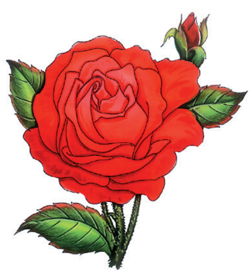

चली बारात

मुरगी रानी आई सजकर,
पहन चुनरिया लाल।
मुरगा पगड़ी पहन अकड़ता,
आया धीमी चाल।
कछुआ गरदन मटकाता आया,
लाया बटुआ हाथ।
टाई लगाए गीदड़ दादा,
चले सभी के साथ।
खुशी–खुशी बारात चली,
बुलबुल गीत सुनाता।
नाच दिखाती चुहिया छमछम,
बगुला बिगुल बजाता।

बारात में कौन-कौन शामिल था? अक्षर-जाल में से ढूँढ़कर लिखो।

ब	गु	ला	ब	बु
मु	र	गा	थु	ल
र	क	छु	आ	बु
गी	द	ड़	म	ल

---------------------- | ---------------------- | ---------------------- | ----------------------

---------------------- | ---------------------- | ---------------------- | ----------------------

---------------------- | ---------------------- | ---------------------- | ----------------------

चित्रों में रंग भरो और नाम लिखो।

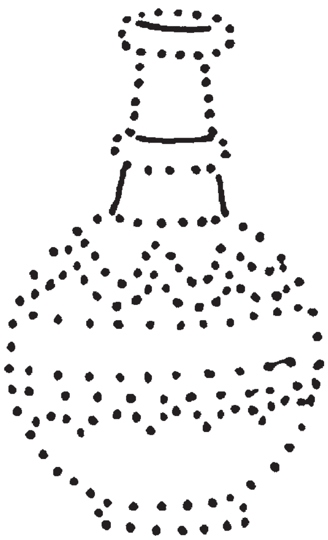

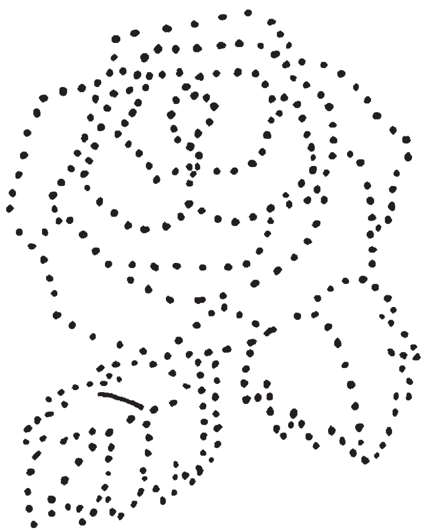

ऊ ू

सूरज

ऊदबिलाव

चूहा

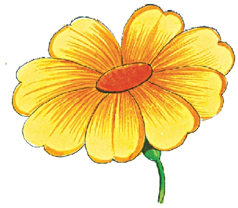

जूता

फूल

बोलकर पढ़ो

धूप	दूध	मूली	भूख	पूजा	
आलू	भालू	बूढ़ा	झूला	चूड़ी	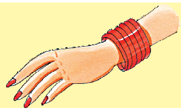
तराजू	चूरन	खुशबू	नाखून	अमरूद	
फूलदान	खरबूज़ा	तरबूज़	कबूतर	शहतूत	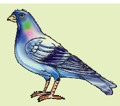

लिखो

जू चू बू फू रू

जूता चूहा खुशबू फूल रूमाल

कालू चाटवाला

एक था भालू। नाम था कालू। कालू की थी एक दुकान। दुकान का नाम था — कालू चाटवाला।

कुरता और जूता पहनकर कालू दुकान पर जाता। वह फल काटकर चाट बनाता।

एक दिन मयूरी गिलहरी झूला झूल रही थी। तभी सरजू चूहा और नूपुर चुहिया दुकान पर गए। मयूरी भी साथ-साथ चल पड़ी।

"कालू भाई, आलू, कचालू और अमरूद की चाट बनाओ। ज़रा बढ़िया चाट बनाना। तरबूज़ और खरबूज़ा भी डालना।"

"ज़रूर, ज़रूर।"

"वाह कालू भाई! चाट बड़ी चटपटी थी। खाकर मज़ा आ गया।"

अभ्यास

सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ।

क. भालू का क्या नाम था?

कालू ☐ बालू ☐

ख. भालू की किस चीज़ की दुकान थी?

मिठाई की ☐ चाट की ☐

ग. कालू ने कैसी चाट बनाई?

मीठी ☐ चटपटी ☐

समझो और पढ़ो।

ल	—	लू	भालू	आलू	कचालू
ज	—	जू	जूता	खजूर	तराजू
ब	—	बू	तरबूज़	खरबूज़ा	बूढ़ा
र	—	रू	ज़रूर	अमरूद	रूमाल

बोल-बोलकर पढ़ो।

उ ु	ऊ ू
सुना	सूना
चुना	चूना
चुरा	चूरा
बुरा	बूरा
पुरी	पूरी

बोल-बोलकर पढ़ो और लिखो।

रुई ---------------------------------- रूठना ----------------------------------

रुक ---------------------------------- रूखा ----------------------------------

रुपया ---------------------------------- रूमाल ----------------------------------

चित्रों के नाम लिखो।

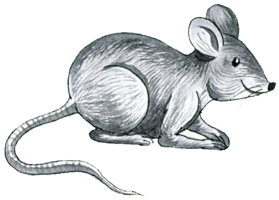

------------ ------------ ------------

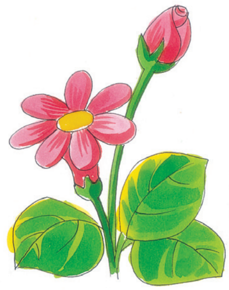

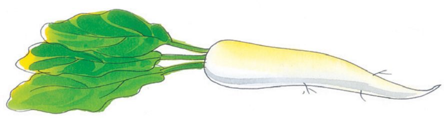

------------ ------------ ------------

सरजू, मयूरी और नूपुर ने जिन फलों की चाट खाई, उनमें रंग भरो।

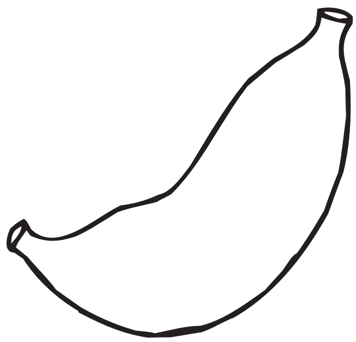

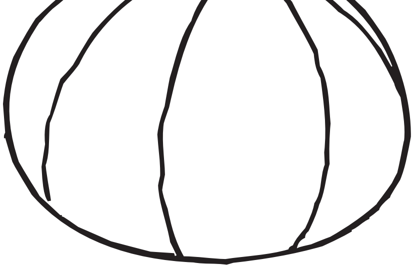

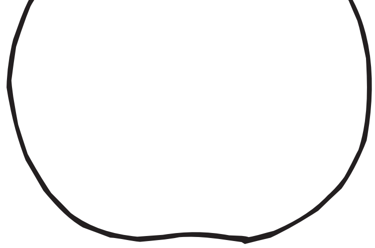

ऋ ृ

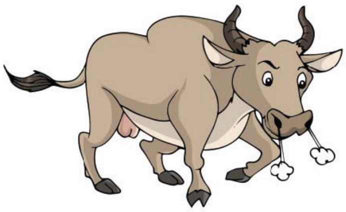

वृषभ

नृप

ऋषि

वृक्ष

मृग

बोलकर पढ़ो

गृह	तृण	घृत	घृणा	मृदु
कृपा	सृजन	कृपण	कृतज्ञ	अमृत
मृणाल	वृहद	कृपाण	कृपया	कृपालु
मृदा	मृतक	दृग	वृथा	गृहपति

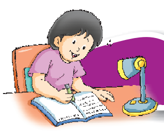

लिखो

कृ घृ तृ मृ वृ

कृपा घृत तृण मृतक वृथा

नृप का महल

एक महल था। वह एक नृप का महल था। नृप उस महल का गृहपति था। वह खूब घृत पीता था। नृप बड़ा कृपण था।

महल का बाग वृहद था। बाग का रखवाला तृण काट रहा था। एक मृग वह तृण खा रहा था।

चित्र देखकर 'ऋ' की मात्रा लगाओ—

तण

गह

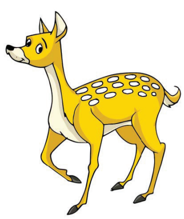

मग

नप

बताओ—

क. महल का मालिक कौन था?

ख. नृप क्या पीता था?

ग. बाग का रखवाला क्या कर रहा था?

घ. मृग क्या कर रहा था?

शब्द बनाओ—

कृ
- षि ----------------------------------
- पा ----------------------------------
- पाण ----------------------------------
- षक ----------------------------------

मृ
- ग ----------------------------------
- दा ----------------------------------
- तक ----------------------------------
- दु ----------------------------------

ए े

भेड़

एड़ी

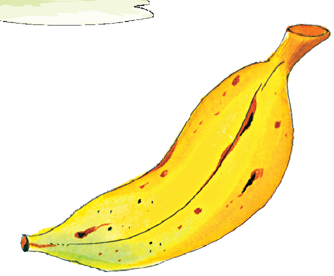

केला

शेर

बोलकर पढ़ो

जलेबी

सेब	बेल	रेत	पेड़	खेल	
बेर	पेट	मेज़	पेड़ा	मेला	
करेला	सवेरा	सहेली	बेसन	नेवला	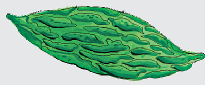
रेलगाड़ी	शेरवानी	मेहमान	मलेरिया	केलेवाला	

लिखो

के मे पे बे ले

केला मेज पेड़ बेल जलेबी

खेत ही खेत

हम नानी के घर गए।
नानी का घर शहर से दूर
था।
नानी के घर के पास
खेत ही खेत थे।
केले और नारियल के पेड़
थे।

हम खेत पर घूमने गए।
हमने बेल पर खीरे, ककड़ी
और करेले लगे देखे।
खेत के पास ही बेर
का बाग था। पके हुए
पीले-पीले बेर लगे थे।
हम कुछ बेर खरीद लाए।
नानी ने बेसन की बरफ़ी
बनाई थी।

हमने बेसन की बरफ़ी खाई।
केले खाए और नारियल का पानी पीया।
सवेरे हम चलने लगे। नानी
ने ताज़े खीरे, करेले, केले और
बेर से भरी डलिया साथ दे दी।

अभ्यास

संकेत — डाल, डलिया, डोली, डोर, डमरू तथा लड़का, लड़की, गुड़िया, चिड़िया, सड़क, रबड़ आदि शब्द बुलवाकर ड और ड़ के उच्चारण में अंतर को बताइए।

बताओ—

क. नानी का घर कहाँ था?

ख. नानी के घर के पास क्या-क्या था?

ग. बेलों पर क्या-क्या लगा था?

घ. बेर किस रंग के थे?

ङ. नानी ने बेसन की बरफ़ी बनाई थी। तुमने किस-किस चीज़ की बरफ़ी खाई है?

पढ़ो और समझो।

ब	—	बे	बेर	बेल	बेसन
ख	—	खे	खेत	खेल	रखे

क	—	के	केला	पके	केसर
र	—	रे	रेल	करेला	रेशम

चित्र को नाम से मिलाओ।

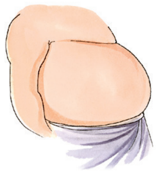

चेहरा पेड़

पेट जेवर

मेज़ करेला

पढ़ो और समझो।

केला

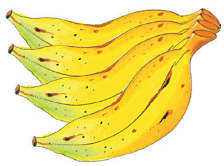 केले

करेला

करेले

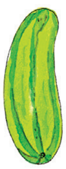 खीरा

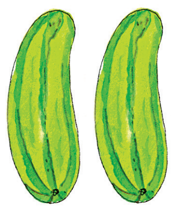 खीरे

पेड़ा

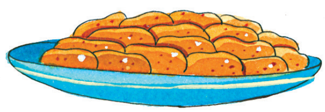 पेड़े

सुनकर लिखो।

सहेली	मेला	सवेरा	जलेबी	चमेली
डलिया	भेड़	बेसन	कूदते	सितारे

चित्र पूरा करो और रंग भरो।

छुक-छुक रेल

छुक-छुक करती चलती रेल,
धड़-धड़ करती चलती रेल।

दूर-दूर की सैर कराती,
नई जगह दिखलाती रेल।
सीटी बजती चलती रेल,
छुक-छुक करती चलती रेल।

नदियाँ, नाले, खेत, पहाड़,
वह ले जाती सबके पार।
फक-फक धुआँ उड़ाती रेल,
छुक-छुक करती चलती रेल।

इससे-उससे, जाने किससे,
सबसे मेल कराती रेल।
हिलती-डुलती जाती रेल,
छुक-छुक करती चलती रेल।

ए ै

मैना

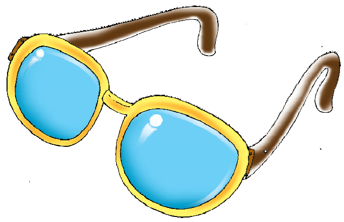

ऐनक

पैर

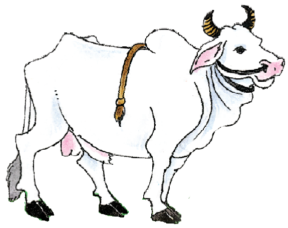

बैल

थैला

बोलकर पढ़ो

सैर	तैर	मैल	बैर	भैया
मैदा	मैना	पैसा	थैली	जैसा
सैनिक	पैदल	शैतान	मैदान	गवैया
बैलगाड़ी	कैदखाना	नैनीताल	खपरैल	तैराक

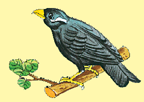

लिखो

पै बै सै मै थै

पैर बैल सैनिक मैदान थैला

बैलगाड़ी की सैर

मैकू चूहा और मैगी मुरगी साथ-साथ रहते थे। मैकू बड़ा शैतान था। कुछ न कुछ शरारत करता ही रहता था।

काली ऐनक पहने मैकू और मैगी पैदल सैर कर रहे थे।

सामने एक बैलगाड़ी जा रही थी। मैकू और मैगी बैलगाड़ी पर जा चढ़े। मैना ने देखा। वह भी बैलगाड़ी पर आ बैठी। बैलगाड़ी तालाब के पास से गुजरी।

बतख ने देखा। वह भी बैलगाड़ी पर आ गई। उनकी देखा-देखी और भी जानवर बैलगाड़ी की सैर का मज़ा लेने लगे।

अचानक ज़ोर का झटका लगा। मैकू धड़ाम से नीचे गिरा। उसकी ऐनक दूर जा गिरी।

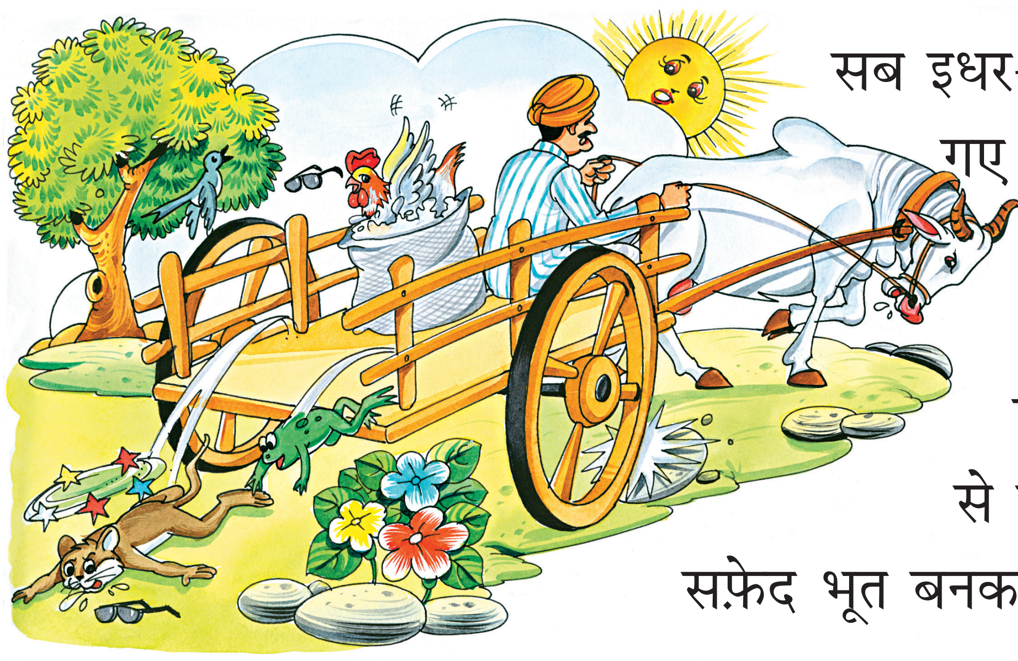

सब इधर-उधर लुढ़क गए। मैगी बैलगाड़ी पर रखे मैदा के थैले पर गिरी। वह थैले से बाहर निकली सफ़ेद भूत बनकर।

संकेत — ढकना, ढील, ढोल, ढेला, ढेर तथा पढ़, बढ़ो, चढ़ाई, बुढ़िया, सीढ़ी, पीढ़ी आदि शब्द बुलवाकर ढ और ढ़ के उच्चारण में अंतर बताइए। ड़ और ढ़ आवाज़ वाले शब्द बुलवाइए।

सही शब्द चुनकर वाक्य की खाली जगह में लिखो—

मैदा	बैलगाड़ी	ऐनक	शैतान	तालाब

1. मैकू बड़ा ------------------------------ था।
2. एक ------------------------------ जा रही थी।
3. बैलगाड़ी ------------------------------ के पास से गुजरी।
4. मैगी ------------------------------ के थैले पर गिरी।
5. मैकू की ------------------------------ दूर जा गिरी।

बोलकर पढ़ो और समझो।

ए	ऐ
बेल	बैल
सेर	सैर
मेल	मैल
बेर	बैर
तेरा	तैरा
मेला	मैला

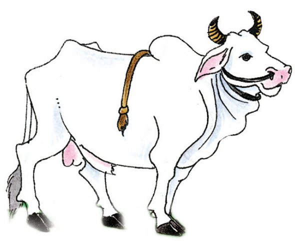

चित्र देखो, ए या ऐ की मात्रा लगाकर नाम पूरा करो।

शर

थला

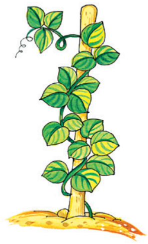 बल

पसा

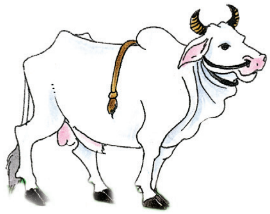 बल

तराक

शब्द बनाकर लिखो।

थै, मै, फै, छै — ला

थैला

नै, मै, गै, भै — या

नैया

बाईं ओर लिखे शब्दों में से ए और ऐ की मात्रा वाले शब्दों को चुनकर अलग-अलग कॉलम में लिखो।

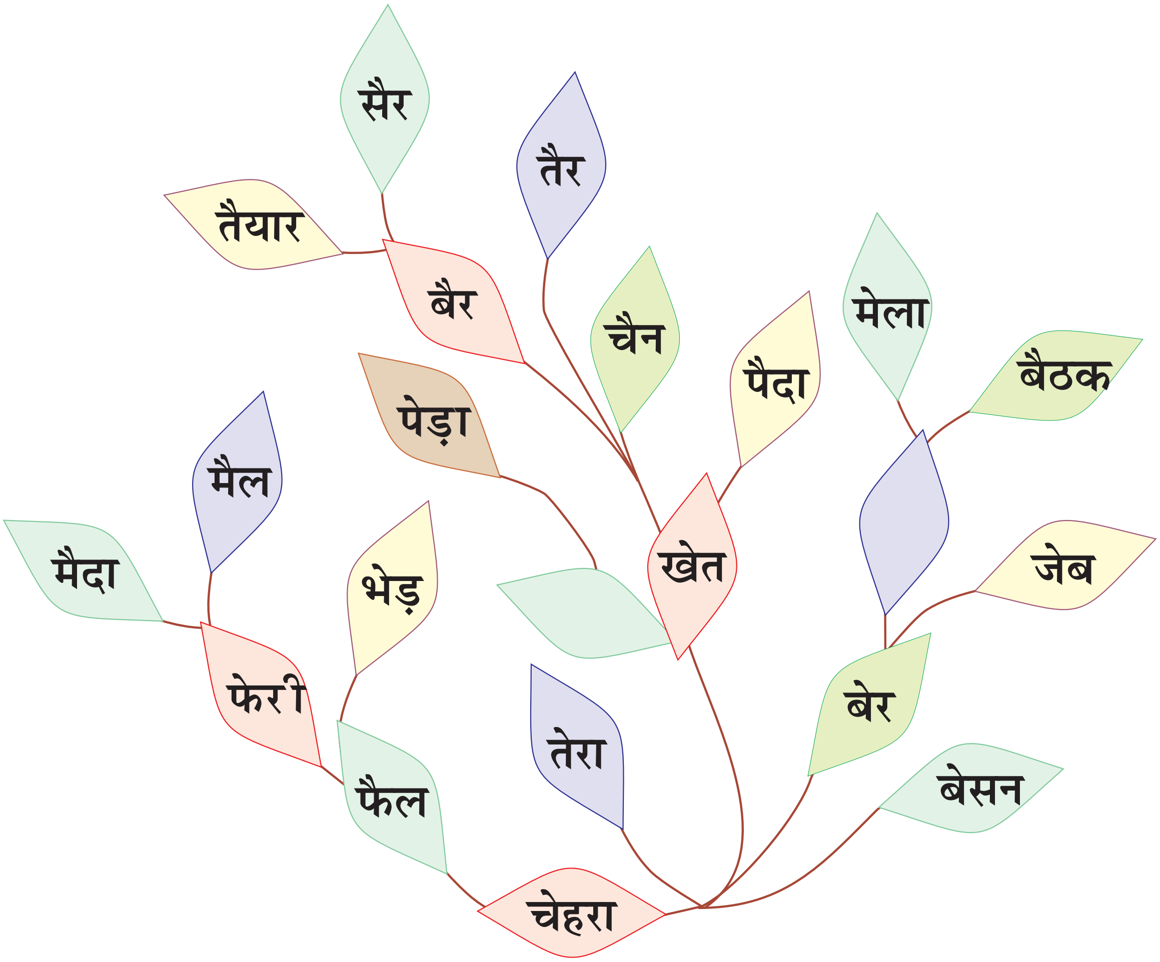

ए		ऐ	
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------

कविता गाओ।

मैया री मैया,
भागी मेरी गैया।
गैया के पीछे,
दौड़ा मेरा भैया।
दैया री दैया,
लुढ़क गया भैया।

ओ ो

तोता

ओखली

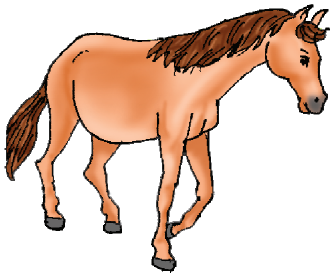

घोड़ा

गोभी

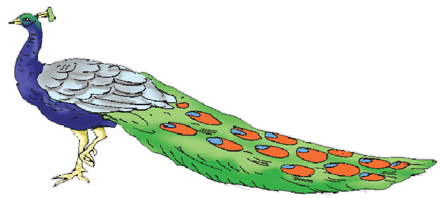

मोर

बोलकर पढ़ो

गोल	तोल	नोट	कोट	रोटी	
डोर	छोटा	सोना	मोती	टोपी	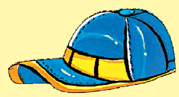
समोसा	बोतल	कोयल	टोकरी	लोमड़ी	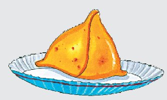
खरगोश	दालमोठ	अखरोट	दोपहर	सोमवार	

लिखो

सो जो लो दो बो

घोड़ा डोली कटोरी मोची लोटा

होली

होली का दिन था। लोमड़ी, खरगोश, मोर, चकोर, भालू, हाथी— सब होली की तैयारी कर चुके थे। भालू ने ढोल बजाना शुरू किया—ढम–ढम–ढम। पूरी टोली शोर मचाती आ गई — होली है भई होली है।

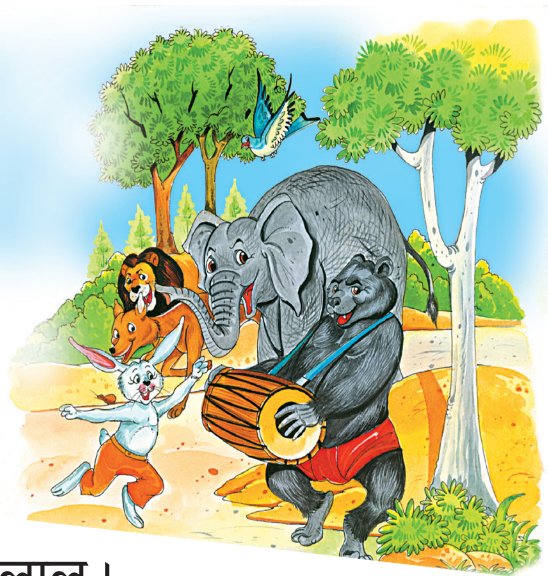

सबने एक–दूसरे को गुलाल लगाया — लाल, पीला, हरा, गुलाबी गुलाल।

हाथी ने पिचकारी चलाई। लोमड़ी पूरी लाल हो गई। भालू ने खरगोश पर बालटी भर हरा पानी डाल दिया। तोते, कोयल और चकोर ने सब पर फूल डाले।

शेरू छिपकर बैठा था। मोर ने उसे खोज निकाला। सबने शेरू को खूब गुलाल लगाया। मोर नाचने लगा।

हिरन और लोमड़ी मिठाई और समोसे ले आए। सबने मिठाई और समोसे खाए। सब दोपहर तक होली खेलते रहे।

अभ्यास

वाक्य पढ़ो। सही वाक्य के सामने वाले घेरे में हरा रंग और गलत वाक्य के सामने वाले घेरे में लाल रंग भरो।

1. भालू ने ढोल बजाया। ◯
2. लोमड़ी ने पिचकारी चलाई। ◯
3. खरगोश ने भालू पर हरा पानी डाला। ◯
4. मोर नाचने लगा। ◯
5. सब दोपहर तक होली खेले। ◯

पहचानो और बोलकर पढ़ो।

ड	—	डाल	डाली	डोली	डमरू	डलिया
ड़	—	पेड़	भेड़	मेड़	लड़का	सड़क
ढ	—	ढाल	ढेला	ढोल	ढोर	ढोलक
ढ़	—	काढ़ा	गाढ़ा	पढ़ाई	चढ़ाई	कढ़ाई

नए शब्द बनाओ।

मोर लोटा → ____________

टोकरी लीची → ____________

मोची धोती → ____________

चित्र देखकर नाम पूरा करो।

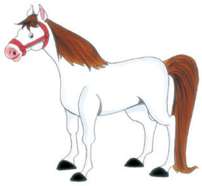

___ड़ा

___ता

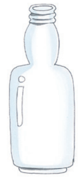

___तल

अख___ट

___कर

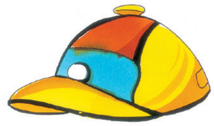

___पी

शब्द सीढ़ी बनाओ। चित्रों की मदद लो।

पानी

नीम

मछली

लीची

चीनी

लड़की

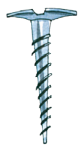

अक्षर-जाल में से चिड़ियों और पशुओं के नाम ढूँढ़कर लिखो।

म	ख	मो	र	लो
हि	र	न	च	म
तो	गो	हा	को	ड़ी
ता	श	थी	र	स
को	य	ल	भा	लू

चिड़ियों के नाम	पशुओं के नाम
----------	----------
----------	----------
----------	----------
----------	----------
----------	----------

कविता गाओ।

मेरी छत पर आया मोर,
खूब मचाया उसने शोर।
बादल गरज उठे घम-घम,
नाचा मोर छमा छम-छम।

जिनके काम, उनके नाम

पहचानो और नाम लिखो।

____

____

____

____

____

____

किसान बढ़ई धोबी माली मोची डाकिया

ओ ौ

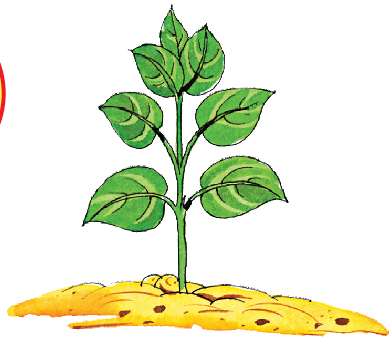

पौधा

औरत

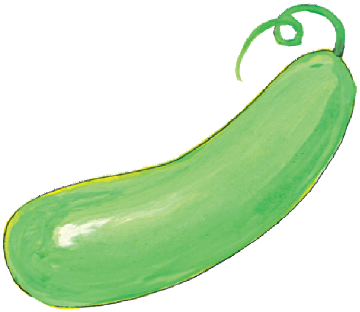

लौकी

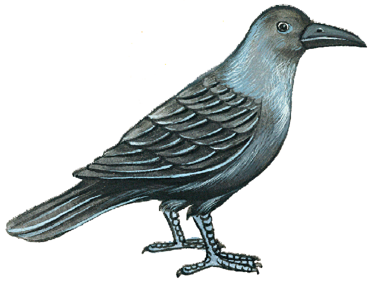

कौआ

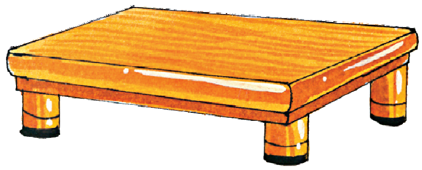

चौकी

बोलकर पढ़ो

मौसा	चौड़ा	बौना	दौड़	नौका	
खिलौना	हथौड़ी	नौकर	मौसम	तौलिया	
औज़ार	सौदागर	चौकीदार	नौकरानी	नौजवान	

लिखो

जौ सौ बौ लौ चौ

पौधा कौआ मौसमी कचौड़ी खिलौना

मौसा-मौसी आए

मौसम बड़ा सुहावना था। रौनक चौकी पर बैठा पढ़ रहा था। गौरी बाहर खेल रही थी।

गौरी दौड़ी-दौड़ी भीतर आई। मौसा और मौसी आए थे। रौनक उठ खड़ा हुआ। उसने उनके पैर छुए।

मौसा जी रौनक और गौरी के लिए खिलौने लाए थे। खिलौने पाकर वे बड़े खुश हुए। पिता जी ने मौसा जी को अपना बगीचा दिखाया। पिता जी को तरह-तरह के पौधे लगाने का बड़ा शौक है।

मौसी माता जी के साथ चौके की तरफ़ चली गई। माता जी ने नौकर को सौ रुपये का नोट दिया और कहा—"चौराहे वाली दुकान से कचौड़ी ले आओ।"

माता जी ने लौकी के पकौड़े बनाए। अदरक और तुलसी की चाय बनाई। सबने चाय के साथ गरम-गरम कचौड़ी और पकौड़े खाए।

बताओ।

क. रौनक और गौरी के घर कौन आया?

ख. मौसा जी रौनक और गौरी के लिए क्या लाए?

ग. माता जी ने कचौड़ी कहाँ से मँगवाई?

घ. पिताजी का क्या शौक था?

ङ. माता जी ने किस चीज़ के पकौड़े बनाए?

बोलकर पढ़ो और समझो।

सो	—	सौ	लोटा	—	लौटा
जो	—	जौ	कोर	—	कौर
लो	—	लौ	खोला	—	खौला

बोलो।

स	साथ	सेब	सिपाही	पसीना	सुख	सौदा
श	शाम	शीशा	रेशम	खुश	शिव	शौक

चित्र देखो और ओ या औ की मात्रा लगाकर नाम पूरे करो।

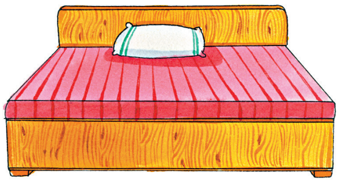

बिछ___ना

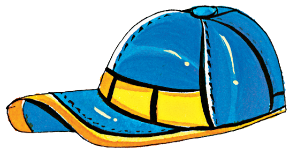

ट___पी

ज___कर

न___का

ल___की

त___लिया

सुनकर लिखो।

चौराहा	सौदागर	हथौड़ी	मौका
---------------------	---------------------	---------------------	---------------------

कविता गाओ।

ठक-ठक करता चौकीदार,
लाठी रहती उसके हाथ।
पहरा देता सारी रात,
सरदी हो या फिर बरसात।

चित्र पहचानकर उसका नाम बोलो। चित्र के नाम की शुरू की आवाज़ लिखो।

....

....

....

....

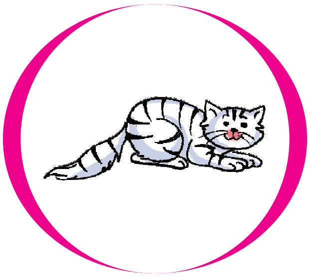

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

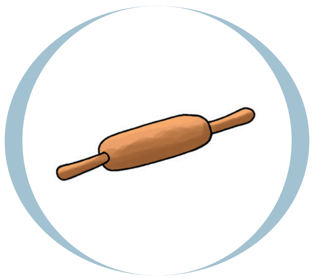

....

....

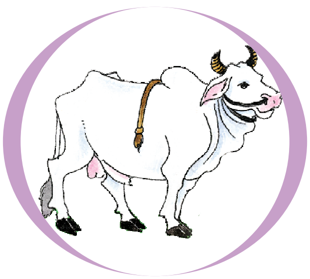

....

....

....

....

दसखड़ी

पढ़ो और समझो।

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ

न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ
श्र	श्रा	श्रि	श्री	श्रु	श्रू	श्रे	श्रै	श्रो	श्रौ

संकेत — बारखड़ी में **अं** और **अः** की मात्राएँ भी शामिल होती थीं। अब इन्हें स्वर नहीं माना जाता, इसलिए बारहखड़ी में इनकी मात्राएँ शामिल नहीं की जातीं। यही कारण है कि अब हम बारहखड़ी के स्थान पर दसखड़ी की तालिका बनाते हैं। यह भी ध्यान दें कि बारहखड़ी या दसखड़ी में **ऋ** की मात्रा भी शामिल नहीं की जाती।

अं ं

हंस

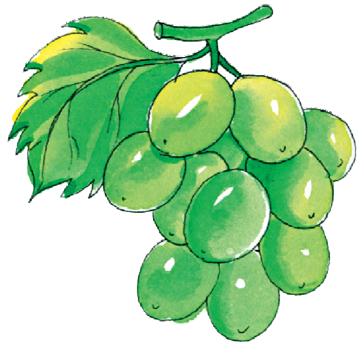

अंगूर

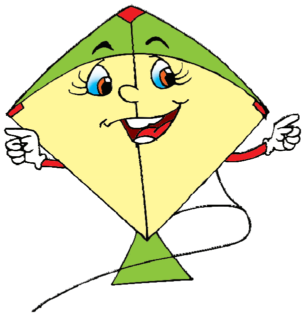

पतंग

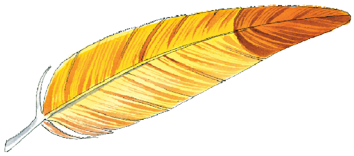

पंख

बंदर

बोलकर पढ़ो

रंग	गंगा	कंघा	शंख	ठंडा	
पंजा	खंभा	डंडा	झंडा	कंचा	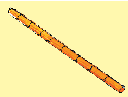
जंगल	मंदिर	संतरा	बंदूक	चंदन	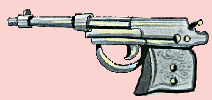
तिरंगा	कंजूस	नारंगी	सारंगी	कंकड़	

लिखो

पंख हंस अंगूर पतंग मंदिर

जाखू मंदिर

अंजलि और मंथन माता-पिता के साथ शिमला गए। वे जाखू मंदिर देखने गए। मंदिर के आसपास बहुत बंदर थे। लंबी दुम वाले लंगूर भी थे।

अंजलि और मंथन इतने बंदर देखकर डर गए। पिता जी ने कहा—
"डरो मत। ये कुछ नहीं करेंगे। चलो, पूजा करें।"

मंदिर में आरती हो रही थी। पंडित जी शंख बजा रहे थे। मंथन ने घंटा बजाया।

पंडित जी ने मंथन और अंजलि को चंदन का टीका लगाया। थाली में से एक-एक केला और संतरा दिया।

वे मंदिर से बाहर आए। एक बंदर मंथन की ओर लपका।

मंथन भागा। बंदर ने उसके हाथ से केला छीन लिया। मंथन रोने लगा। बंदर अंजलि की तरफ़ बढ़ा। अंजलि ने संतरा गिरा दिया और वह माता जी से लिपट गई। बंदर संतरा उठाकर चला गया।

अभ्यास

बोलकर पढ़ो।

त	—	तक	ताली	सात	माता	तोड़ा	पोती
थ	—	थक	थाली	साथ	माथा	थोड़ा	पोथी

सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

बंदर	चंदन	आरती	जाखू	संतरा

1. अंजलि और मंथन ------------------- मंदिर देखने गए।
2. मंदिर में ------------------- हो रही थी।
3. पंडित जी ने मंथन को ------------------- का टीका लगाया।

4. अंजलि ने ------------------------ गिरा दिया।

5. संतरा उठाकर ------------------------ चला गया।

बोलकर पढ़ो और समझो।

घटा	—	घंटा	रग	—	रंग
गदा	—	गंदा	जग	—	जंग
वश	—	वंश	कस	—	कंस

गंदा और फंदा एक जैसी तुक वाले शब्द हैं। तुम भी ऐसा ही एक-एक शब्द लिखो।

लंगूर — --------------------------------

पंजा — --------------------------------

डंडा — --------------------------------

अंदर — --------------------------------

लंबा — --------------------------------

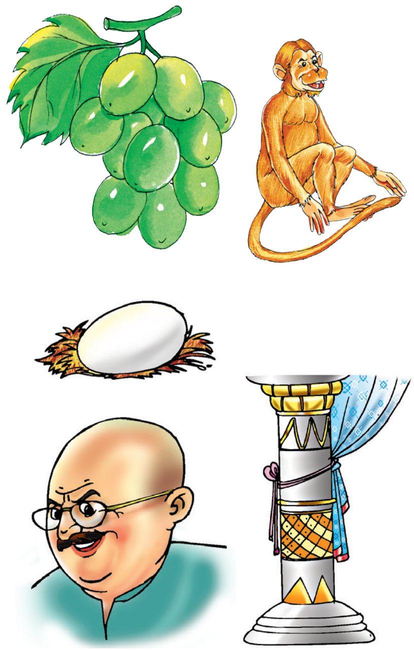

चित्रों के नाम लिखो।

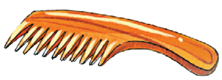

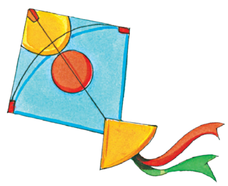

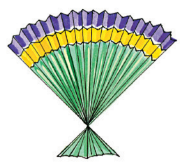

---------- ---------- ---------- ----------

चित्रों को नाम से मिलाओ।

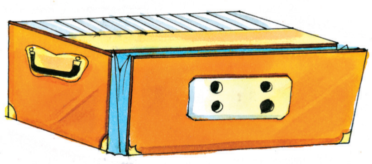

तबला

गिटार

ढोलक

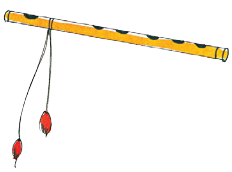

बाँसुरी

हारमोनियम

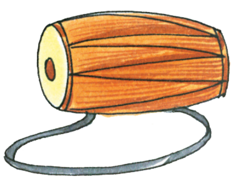

सितार

चंगी नहीं लड़ाई

भालू-बंदर की हुई लड़ाई,
बंदर ने एक लात जमाई।
भालू झपटा, मारा पंजा,
बंदर भैया हो गया गंजा।

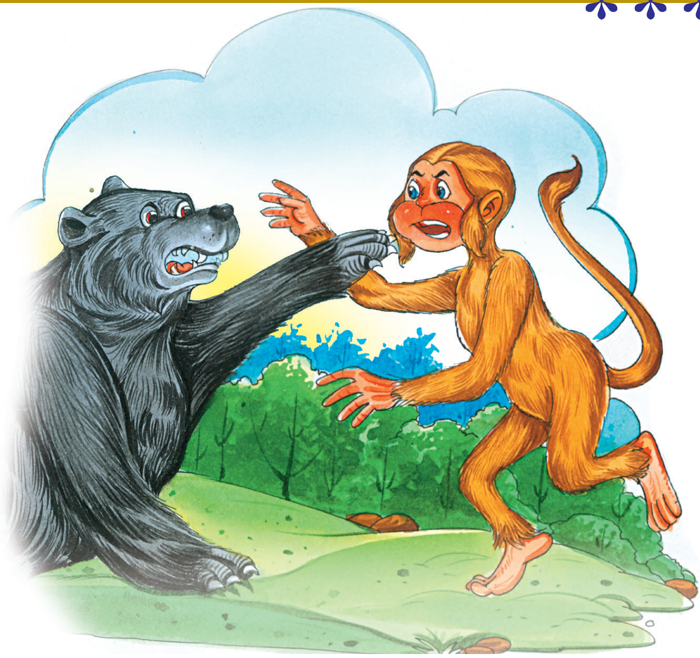

डंडा लेकर बंदर आया,
ज़ोर लगाकर एक जमाया।
उछला भालू डंडा खाकर,
और गिरा बंदर पर जाकर।

बंदर की बस टूटी टाँग,
भालू की भी बच गई जान।
समझ बात उनको यह आई,
चंगी होती नहीं लड़ाई।

अँ ँ

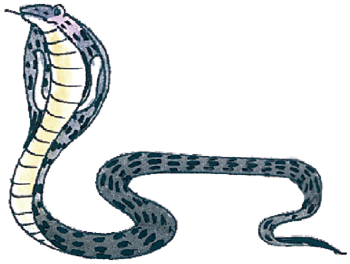

साँप

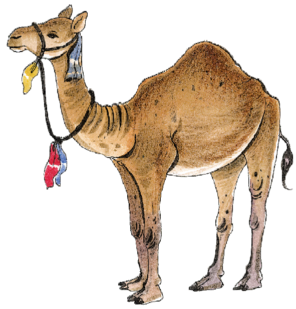

ऊँट

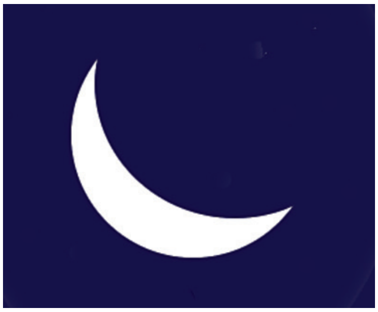

चाँद

अँगूठी

बाँसुरी

बोलकर पढ़ो

आँख	पाँव	टाँग	पूँछ	गाँव	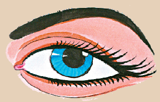
मूँछ	गाँव	गाँठ	सूँड़	कुआँ	
कहाँ	आँगन	हँसना	आँवला	दाँत	
खाँसी	काँपना	झाँकना	आँचल	काँच	

लिखो

आँख मुँह दाँत हँसना आँगन

मँगरू

* * *

सुबह का समय था। चिड़ियाँ चहचहा रही थीं। भँवरे घूँ-घूँ करते घूम रहे थे। फूलों पर तितलियाँ मँडरा रही थीं।

मँगरू पेड़ के नीचे मुँह फुलाए बैठा था। माँ ने उसे कुएँ से पानी लाने को कहा था। वह नहीं गया। माँ ने उसे खाना नहीं दिया।

मँगरू को सामने से एक ऊँट आता दिखाई दिया। साथ ही एक आदमी लँगड़ाता आ रहा था। पास आकर वह आदमी बोला— ''मेरे पाँव में काँटा चुभ गया है। ज़रा मदद करो।''

मँगरू ने उसे सँभालकर बिठाया। उसके पाँव से काँटा निकाल दिया।

तभी खाना लिए माँ मँगरू को ढूँढ़ती वहाँ आ पहुँचीं।

माँ को देखकर मँगरू हँस पड़ा। वह उठकर कुएँ से बालटी भर लाया। फिर मँगरू ने ऊँटवाले के साथ बैठकर खाना खाया।

अभ्यास

प्रश्नों के उत्तर दो।

क. मँगरू मुँह फुलाए क्यों बैठा था?

ख. माँ ने मँगरू को खाना क्यों नहीं दिया था?

ग. ऊँटवाले ने मँगरू से क्या कहा?

घ. मँगरू ने ऊँटवाले की क्या मदद की?

बोलकर पढ़ो और समझो।

काटा	—	काँटा	पूछ	—	पूँछ
चाटा	—	चाँटा	कहा	—	कहाँ
आधी	—	आँधी	बाग	—	बाँग

चित्र देखकर नाम लिखो।

__________ __________ 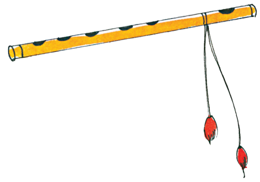

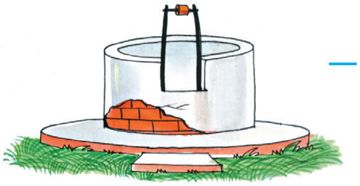 __________ __________

__________ __________ 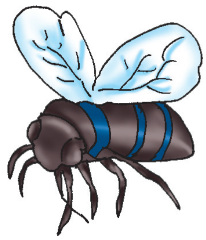

पढ़ो और समझो।

	तितली		तितलियाँ
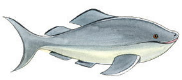	मछली	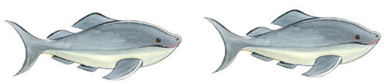	मछलियाँ
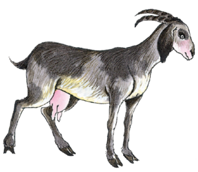	बकरी	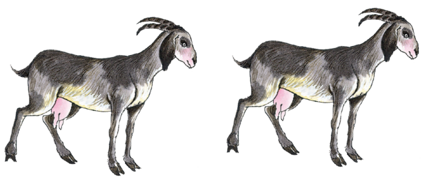	बकरियाँ
	अँगूठी		अँगूठियाँ

चित्र पूरा करो और रंग भरो।

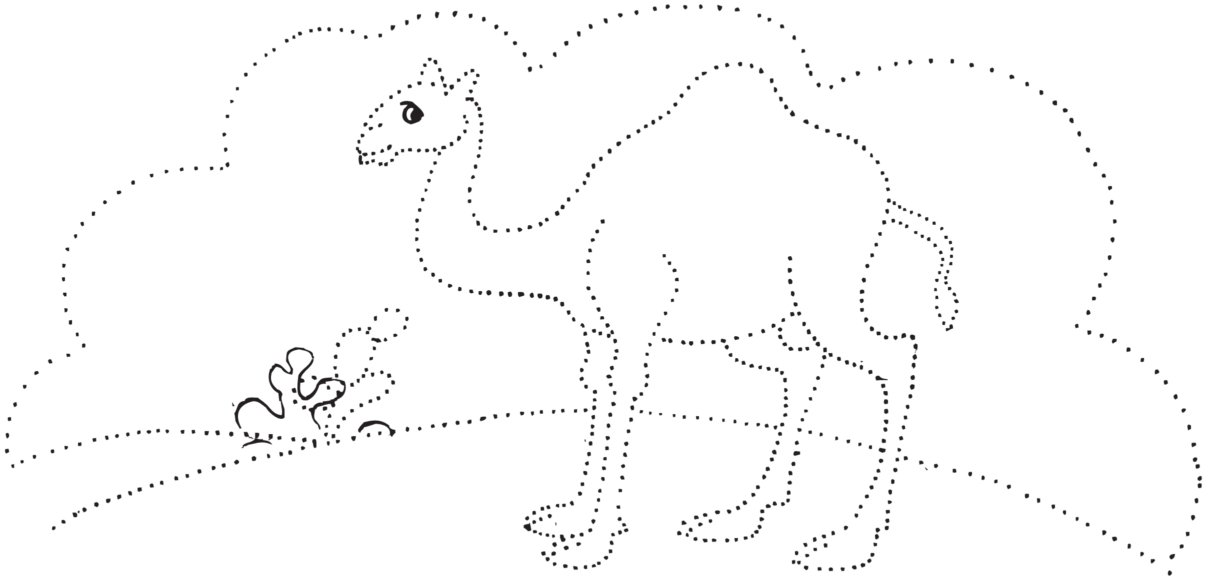

यहाँ ऊँट का मालिक कौन है।

अः ः

नमः

बोलकर पढ़ो

अतः	पुनः	अंततः	फलतः
मूलतः	शनैः	संभवतः	परिणामतः

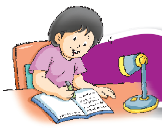

लिखो

तः नः मः अतः नमः

पढ़ो—

माता-पिता को नमः करो। शनैः-शनैः पाठ पढ़ो।
अंततः पाठ समझो। पुनः पाठ याद करो।

शब्द बनाओ—

अ —— तः ______________________

मूल —— तः ______________________

अंत —— तः ______________________

क्ष त्र ज्ञ श्र

क् + ष = क्ष
त् + र = त्र
ज् + ञ = ज्ञ
श् + र = श्र

वृक्ष

पत्र

यज्ञ

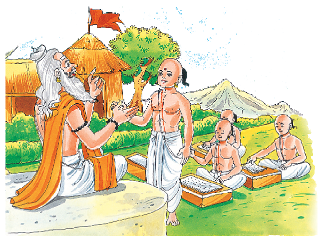

आश्रम

बोलकर पढ़ो

क्ष	—	क्षण	क्षमा	कक्षा	अक्षर
त्र	—	त्राहि	मित्र	त्रिनेत्र	त्रिफला
ज्ञ	—	ज्ञान	ज्ञाता	ज्ञापन	आज्ञा
श्र	—	श्रम	श्राप	श्रवण	श्रावण

लिखो

क्ष त्र ज्ञ श्र

ऋषि का आश्रम

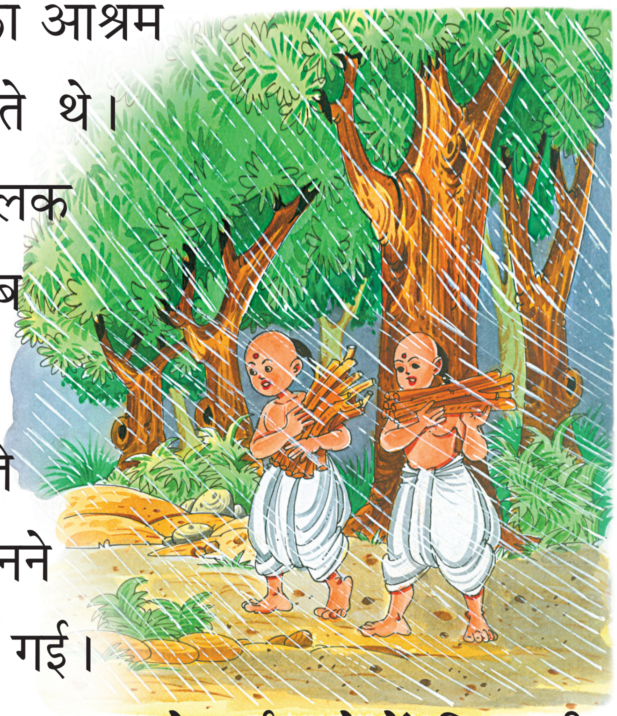

एक ऋषि थे। गंगा के किनारे उनका आश्रम था। आश्रम में मृग इधर-उधर घूमते थे। चारों तरफ़ हरे वृक्ष थे। दूर-दूर से बालक आश्रम में शिक्षा लेने आते थे। वे सब ऋषि की आज्ञा मानते थे।

ज्ञान और अक्षय भी आश्रम में पढ़ते थे। एक दिन वे जंगल में लकड़ियाँ बीनने गए। लकड़ियाँ बीनते-बीनते शाम हो गई। अचानक ज़ोर की आँधी आई। बारिश शुरू हो गई। दोनों मित्र भीग गए।

अँधेरा हो गया था। आश्रम लौटते समय दोनों जंगल में भटक गए। वे भगवान को याद करने लगे— "हे भगवान, हम पर कृपा करो। हमारी रक्षा करो।"

तभी आसपास किसी के चलने की आवाज़ सुनाई दी। ज्ञान और अक्षय ने डरकर एक-दूसरे के हाथ पकड़ लिए। ऋषि लालटेन लिए दोनों को ढूँढ़ रहे थे।

दोनों ने ऋषि को देखा। उनकी जान में जान आई। ऋषि ने दोनों को गले लगाते हुए कहा — "पुत्र, डरो मत। अब मैं आ गया हूँ।"

अभ्यास

सही वाक्य के सामने वाले फूल में हरा और गलत वाक्य के सामने वाले फूल में लाल रंग भरो।

क. ऋषि का आश्रम गंगा के किनारे था।

ख. ज्ञान और अक्षय फूल बीनने जंगल में गए।

ग. वे जंगल में भटक गए।

घ. ऋषि मशाल लिए दोनों को ढूँढ़ रहे थे।

सुलेख लिखो।

आज्ञा आश्रम वृक्ष पुत्र ऋषि

शब्द बनाओ।

	मि
चि	

क	क्षा

	ऋ
	षि

		जं
मं	ग	ल

		क
		क
		ड़ी

		भ
		ट
कृ		क

	भि
	क्षा

	बाँ
	धी

		माँ
छी	न	ना

तारे

चम-चम-चम-चम चमक रहे हैं,
दम-दम-दम-दम दमक रहे हैं।
आसमान में नन्हे तारे,
कितने सुंदर, कितने प्यारे।

कभी बादलों में छिप जाते,
ताका-झाँकी करते तारे।
चंदा मामा के संग मिलकर,
खेलें आँख-मिचौनी तारे।

हमको अपने पास बुलाते,
टिमटिम-टिमटिम करते तारे।
सूरज दादा के आते ही,
छू-मंतर हो जाते तारे।

संयुक्त अक्षर

समान वर्णों का मेल

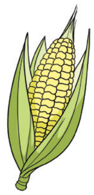

मक्का

बच्चा

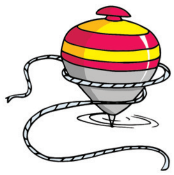

लट्टू

असमान वर्णों का मेल

पुस्तक

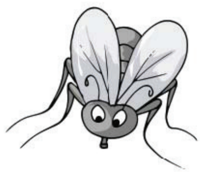

मक्खी

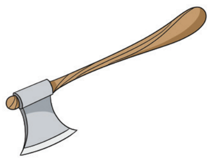

कुल्हाड़ी

र-रेफ

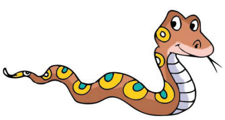

सर्प

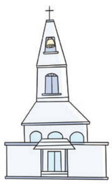

चर्च

पर्वत

र-पदेन

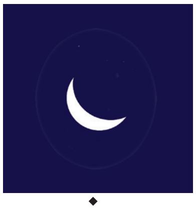

चंद्र

ट्रक

ड्रम

छत्ता	पक्का	चक्का	बिल्लू	कच्चा
खट्टा	गद्दा	भद्दा	मट्ठा	गड्ढा
रक्त	भक्त	अच्छा	प्यारा	प्यास
चक्र	भ्रम	सब्र	कब्र	व्रत
ट्रेन	ट्रक	ट्राम	ड्रम	ड्राइवर

चित्र का नाम पूरा करो—

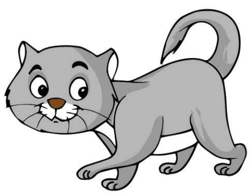
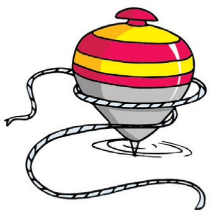
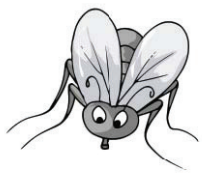

बि---------------------- ल---------------------- म----------------------

संयुक्त अक्षर वाले दो-दो शब्द लिखो—

त्त — ------------------------------ ------------------------------

प्य — ------------------------------ ------------------------------

अच्छा दोस्त

बबलू के घर के सामने एक बगीचा था। बगीचे में आम का एक पेड़ था। पेड़ पर कई गिलहरियाँ रहती थीं। बबलू उन गिलहरियों को देखकर बहुत खुश होता था। वह भी उनके पीछे-पीछे दौड़ता-फिरता था। गिल्लू गिलहरी तो उसकी दोस्त बन गई थी।

गिल्लू को मूँगफली बहुत पसंद थी। बबलू रोज़ पेड़ के आसपास कुछ मूँगफलियाँ बिखेर देता था। गिलहरियाँ मूँगफली उठाकर भाग जातीं। गिल्लू बबलू के बिलकुल पास आ जाती थी। वह दोनों हाथों में मूँगफली उठाकर कुतर-कुतर कर खाती।

गिल्लू जब छोटी-छोटी भोली आँखों से बबलू को देखती तो उसे हँसी आ जाती।

संकेत — बच्चों का ध्यान संयुक्ताक्षर वाले शब्दों (गिल्लू, दोस्त) की ओर दिलाएँ और उनका उच्चारण करवाएँ।

बरसात का मौसम था। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। बबलू बगीचे में बैठा पेड़ पर लगे आमों को देख रहा था। वह उदास था। गिल्लू ने देखा तो पास आकर पूछा— "क्या बात है ? तुम इतने उदास क्यों हो ?"

बबलू बोला— "ये आम मुझे खाने हैं, पर मेरा हाथ इन तक पहुँचता ही नहीं।"

गिल्लू बोली— "कोई बात नहीं। मैं आम तोड़कर लाती हूँ।" इतना कहकर वह पेड़ पर चढ़ गई। उसने आम की डंडी कुतर-कुतरकर एक आम नीचे गिरा दिया।

बबलू बड़ा खुश हुआ। वह नीचे से बोला— "एक आम माँ के लिए भी तोड़कर दो।"

"अच्छा रुको।" — गिल्लू बोली और वह ऊपर की डाल पर चढ़ गई। उसने एक-दो-तीन चार आम और गिरा दिए।

बबलू ने झटपट आम बटोरे। "तुम मेरी प्यारी दोस्त हो!"— कहते हुए बबलू घर को भाग गया।

अभ्यास

प्रश्नों के उत्तर दो।

क. बबलू पेड़ के पास मूँगफली क्यों बिखेरता था?

ख. बबलू बगीचे में उदास क्यों बैठा था?

ग. बबलू ने गिल्लू का धन्यवाद क्यों किया?

घ. बबलू और गिल्लू अच्छे दोस्त कैसे बने?

सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो।—

क. गिलहरियाँ मूँगफली उठाकर ------------------ जाती। (बाग/भाग)

ख. ------------------ हवा चल रही थी। (ठंडी/डंडी)

ग. बगीचे में आम का एक ------------------ था। (पेट/पेड़)

घ. गिल्लू बगीचे में उदास ------------------ था। (बेटा/बैठा)

ङ. गिल्लू ऊपर की ------------------ पर चढ़ गई। (डाल/ढाल)

च. गिल्लू ने आम नीचे ------------------ दिया। (गिरा/घिरा)

पढ़ो, समझो और लिखो।

क.	स्त	बस्ता	दोस्त	स्त	बस्ता	दोस्त
ख.	च्छ	अच्छा	गुच्छा	च्छ	अच्छा	गुच्छा
ग.	म्ह	तुम्हें	कुम्हार	म्ह	तुम्हें	कुम्हार

पढ़ो, समझो और लिखो।

ठंडा	—	**गरम**	ऊँचा	—	-------------------
खुश	—	-------------------	नीचे	—	-------------------

पढ़ो और समझो।

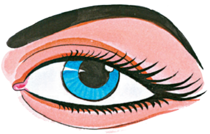

आँख

आँखें

डंडी

डंडियाँ

गिलहरी

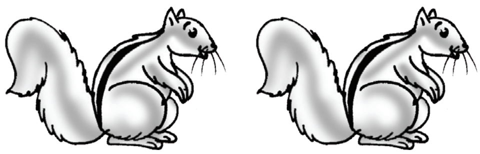

गिलहरियाँ

मूँगफली

मूँगफलियाँ

चींटी

चींटियाँ

ये जानवर कहाँ रहते हैं? रेखा खींचकर मिलाओ।

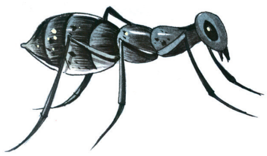

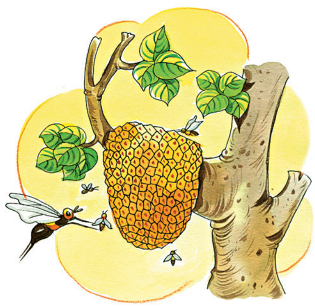

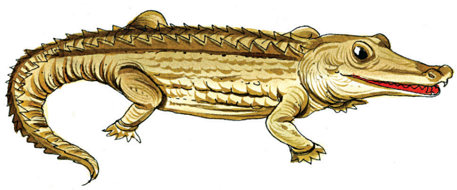

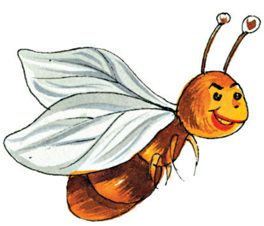

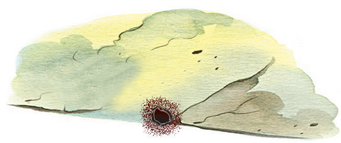

इसकी बोली, उसकी बोली

बादल गरजा, शेर दहाड़ा,
हाथी खुश होकर चिंघाड़ा।

कुकड़ूँ-कूँ कर मुरगा जागा,
हिन-हिन, हिन-हिन घोड़ा भागा।

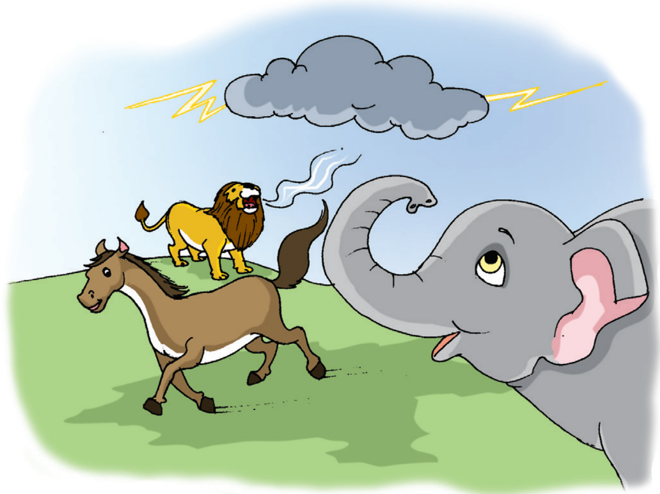

चिड़िया बोली, चीं-चीं चूँ-चूँ,
गधा ज़ोर से बोला, ढेंचूँ।

बोला कौआ काँव-काँव कर,
तुझसे अच्छा है मेरा स्वर।
टर्र-टर्र कर मेंढक बोला,
तू तो भाई है बड़बोला।

कोयल बोली, कुहू-कुहू,
चीखा गीदड़, हू-ऊ-ऊ-ऊ।

केंऊँ-केंऊँ कर नाचा मोर,
चौंका कुत्ता सुनकर शोर।

भौं-भौं भौंका, बोला आऊँ!
बिल्ली बोली म्याऊँ-म्याऊँ।

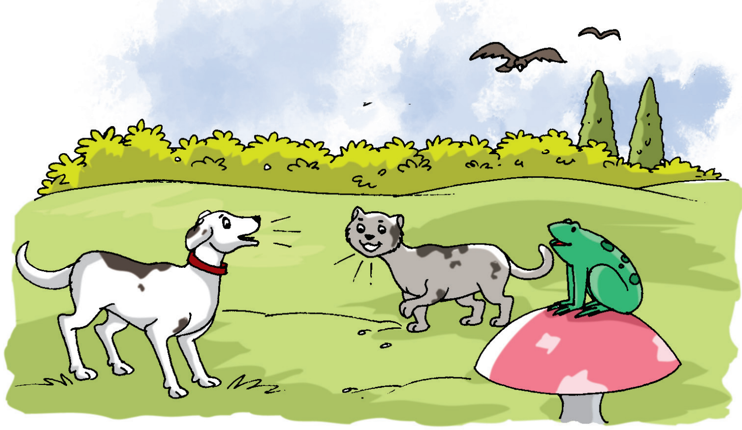

गिनती

हिंदी की गिनती बोलकर पढ़ो और लिखो।

1	१	एक	----------------	6	६	छह	----------------
2	२	दो	----------------	7	७	सात	----------------
3	३	तीन	----------------	8	८	आठ	----------------
4	४	चार	----------------	9	९	नौ	----------------
5	५	पाँच	----------------	10	१०	दस	----------------

गिनो और लिखो।

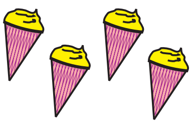

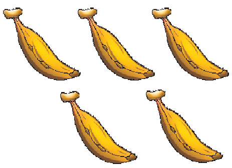

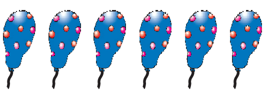

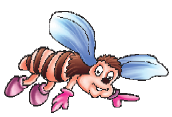

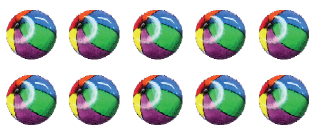

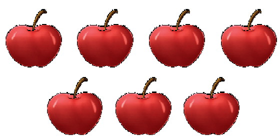

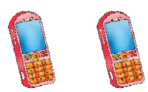

मूर्ख बिल्लियाँ

चित्रों को ध्यान से देखो। इनमें एक कहानी छिपी है। कहानी बनाकर सुनाओ।

मछुआरा

बड़े सवेरे उठ मछुआरा,
सागर तीरे आता है,
जाल डालकर गहरे पानी,
मछली रोज़ फँसाता है।
धरे टोकरी सिर के ऊपर,
साथ मछेरिन आती है,
सोने-चाँदी की मछली रख,
उसमें घर ले जाती है।

—हरिवंशराय बच्चन

बूझो तो जानें

पहेलियाँ बूझो और रेखा खींचकर चित्र से मिलान करो—

अंदर से हूँ लाल-लाल,
ऊपर से हूँ हरा।
प्यास बुझाऊँ इसकी-उसकी
मैं हूँ रस से भरा।

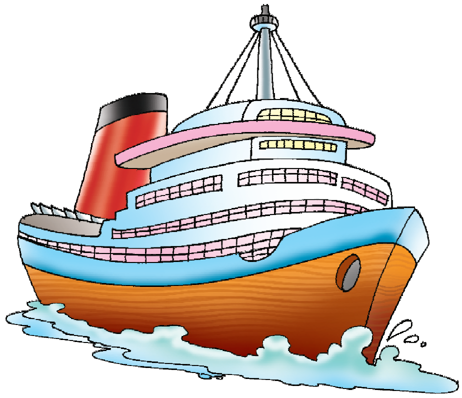

तीन अक्षर का मेरा नाम,
उलटा-सीधा एक समान।
पानी में ही रहता हूँ,
नहीं रेल पर चलता हूँ।

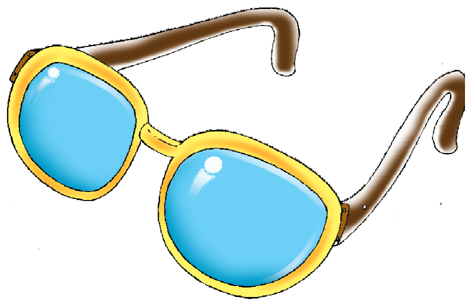

कानों से लटकी,
आँखों पर चढ़ी,
दो शीशों से जड़ी,
देखो कैसी नकचढ़ी!